शर्मा हार्डओवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 286 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 17 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विपक्ष का फार्मूला, पांच साल में पांच प्रधानमंत्री : नरेंद्र मोदी — पेज 2
मणिपुर में केसीपी के चार कैडर गिरफ्तार — पेज 3
राजद और कांग्रेस वाले ही हिंदू मुस्लिम में झगड़ा कराते है : नीतीश — पेज 5
ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले एकमात्र पहलवान अमन की बढ़ी परेशानी... — पेज 7

पूर्वाঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graphy
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो व्यक्ति दुसरो के काम मे न आए, वास्तव में वो मनुष्य नहीं है।

– **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

17 विदेशियों को वापस भेजिए अपने देश...

एससी ने केंद्र सरकार को दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भारत सरकार को असम हिरासत केंद्र में बंद 17 विदेशियों को निर्वासित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि असम में हिरासत केंद्र में 17 विदेशी हिरासत में हैं। पीठ ने कहा कि हमारा विचार है कि भारत सरकार को इन 17 विदेशियों को निर्वासित करने के लिए तत्काल कदम उठाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में असम के राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण से दो साल से अधिक समय से हिरासत में लिए गए विदेशियों के बारे में उसे अवगत कराने के लिए कहा था। कोर्ट ने कानूनी सेवा प्राधिकरण को विदेशियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का पता लगाने के लिए हिरासत केंद्रों का दौरा करने के लिए एक टीम गठित करने का भी निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट राज्य के हिरासत केंद्रों में दो साल से –शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं ममता : मोदी

पुरानी बुआ ने किया किनारा तो बबुआ बंगाल से लाए नई बुआ

भदोही (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को भदोही के ऊंज में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीधा हमला बोला। मोदी ने ममता को आरोपित करते हुए कहा कि ममता बंगाल में हिन्दुओं की हत्या करवाती हैं। उनके लोग हिन्दुओं को गंगा में डूबो कर मारने की धमकी देते हैं। दीदी बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। वहां दलित और महिलाओं का सरेआम उत्पीड़न होता है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर भी तीखा सियासी हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तकरीबन 30 मिनट से अधिक के अपने संबोधन में ममता बनर्जी, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाने पर रखा। मोदी ने कहा कि समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश को पश्चिम बंगाल बनाना चाहती हैं। क्योंकि ममता बनर्जी और अखिलेश यादव की विचारधारा एक है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में हुई मनीष शुक्ला की हत्या पर भी सवाल उठाया। मनीष शुक्ला भदोही से ही हैं और भाजपा की राजनीति से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की हत्या की जा रही है। समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में आतंकवादियों को खुली छूट देती थी। उनके लिए प्रोटोकॉल जारी होता था और अखिलेश यादव सिमी पर मेहरबान थे। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए –शेष पृष्ठ दो पर

चार चरणों में अबतक 66.95 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग के अनुसार पहले चार चरणों में मतदान का औसत 66.95 प्रतिशत रहा है यानि अबतक 45.1 करोड़ लोग मतदान कर चुके हैं। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से आने वाले चरणों में बड़ी संख्या में बाहर आने और मतदान करने का आह्वान किया है। शेष 3 चरणों में मतदाताओं को सूचित करने, प्रेरित करने और सुविधा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने प्रत्येक पात्र मतदाता –शेष पृष्ठ दो पर

गर्मी का प्रकोप : आईएमडी ने असम में तापमान बढ़ने की चेतावनी दी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत, विशेष रूप से असम इस समय भीषण गर्मी से जूझ रहा है, जहां तापमान सामान्य से लगभग 5 डिग्री अधिक है। हीटवेव दैनिक जीवन को काफी हद तक बाधित कर रही है, जिससे लोगों की दैनिक दिनचर्या और स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। जैसे-जैसे गर्मी का प्रकोप जारी है, अधिकारी टिकाऊ पर्यावरणीय प्रथाओं के महत्व पर जोर देते हुए सावधानी और सक्रिय उपायों की सलाह दे रहे हैं। असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र भीषण गर्मी की लहर का सामना कर रहा है, जिससे निवासियों और अधिकारियों में चिंता पैदा हो गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने असम के विभिन्न हिस्सों में 16 मई तक तापमान सामान्य से लगभग 5 डिग्री ऊपर रहने का –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चुनाव : नासिक में सीएम शिंदे के बैग की हुई जांच

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव को लेकर सीएम एकनाथ शिंदे गुरुवार को नासिक के दौरे पर हैं। पंचवटी में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने शिंदे के सामान की जांच की। हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद बैग की तलाशी में कपड़े, कैमरा और अन्य सामान पाए गए। तलाशी अभियान के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि खोदा पहाड़ और निकला चूहा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का हेलीकॉप्टर आज जब नासिक शहर के नीलगिरी हेलीपैड पर उतरा तो पुलिस ने स्वत: ही उनके दोनों बैगों की जांच की। इस बैग में कपड़े, दवाइयां और जरूरी सामान के –शेष पृष्ठ दो पर

विहिप ने हिन्दू शरणार्थियों को नागरिकता देने का किया स्वागत

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के अंतर्गत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है और सार्वजनिक अभिनंदन करने के लिए उनका समय मांगा है। विहिप के प्रांत मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने आज शाह को एक –शेष पृष्ठ दो पर

मोदी को तीसरी बार पीएम बना दो, गोहत्या करने वालों को सीधा किया जाएगा : शाह

मधुबनी (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इस क्षेत्र में पहले बड़ी मात्रा में गौहत्या के मामले सामने आते थे। आप नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो, गोहत्या करने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम हम करेंगे। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना आज के समय की मांग है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को मुख्यालय के सदर प्रखंड रहिका में एक चुनाव सभा को संबोधित –शेष पृष्ठ दो पर

जयशंकर ने अमेरिकी चेतावनी का दिया जवाब, कहा–

छोटी सोच छोड़ो, चाबहार बंदरगाह से सबको होगा लाभ

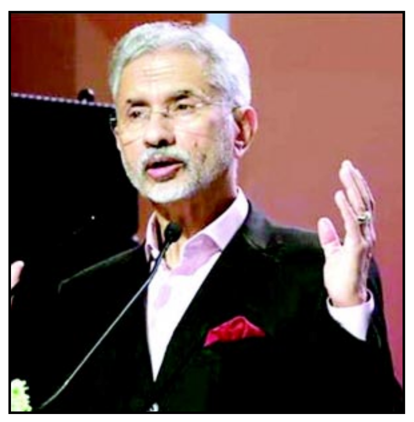

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि चाबहार बंदरगाह से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा और इसे लेकर संकीर्ण सोच नहीं रखनी चाहिए। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ईरान के साथ व्यापारिक समझौते करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंधों का खतरा है। जयशंकर ने मंगलवार रात कोलकाता में एक कार्यक्रम में कहा कि अतीत में अमेरिका भी इस बात को मान चुका है कि चाबहार बंदरगाह की व्यापक प्रासंगिकता है। भारत ने सोमवार को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए है, जिससे नयी दिल्ली को मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी। जयशंकर ने कहा कि चाबहार बंदरगाह से हमारा लंबा नाता रहा है लेकिन हम कभी दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं कर सके। इसकी वजह है कि कई समस्याएं थीं। अंतत: हम इन्हें सुलझाने में सफल रहे हैं और दीर्घकालिक समझौता कर पाए हैं। दीर्घकालिक समझौता जरूरी है क्योंकि इसके बिना हम बंदरगाह पर परिचालन नहीं सुधार सकते। और हमारा मानना है कि बंदरगाह परिचालन से पूरे क्षेत्र को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ बयान देखे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यह लोगों को बताने और समझाने का सवाल है कि यह वास्तव में सभी के फायदे –शेष पृष्ठ दो पर

हम राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और रहेंगे : ममता

तमलुक। सत्ता में आने पर विपक्षी गठबंधन *इंडिया* को बाहर से समर्थन देने की घोषणा के एक दिन बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी गठजोड़ का हिस्सा है और आगे भी रहेगी। तमलुक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस के साथ गठबंधन में नहीं है। बनर्जी ने कहा कि कुछ लोगों ने कल के मेरे बयान को गलत समझा है...अखिल भारतीय स्तर पर, मैं पूरी तरह से इंडिया गठबंधन का हिस्सा हूं। इंडिया गठबंधन का मैंने सुझाव दिया था। हम राष्ट्रीय स्तर पर साथ हैं और आगे –शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तानी सांसद ने दिल खोलकर की पीएम मोदी की तारीफ, कहा–

भारत चांद पर पहुंचा, हमारे बच्चे गटर में मर रहे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के सांसद सैयद मुस्तफा कमाल ने संसद में जहां जमकर प्रधानमंत्री मोदी और उनकी नीतियों की तारीफ की वहीं देश की सरकारों को बदहाली का आईना दिखाया। पाकिस्तानी सांसद ने भारत की दिल खोलकर तारीफ करते हुए कहा कि एक तरफ खुले गटर कराची में बच्चों की जान ले रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भारत चांद पर पहुंच गया है। सांसद सैयद मुस्तफा कमाल ने संसद में अपने संबोधन में कहा कि आज जब दुनिया चांद की तरफ जा रही है, हमारे बच्चे अभी भी कराची में गटर में गिरकर मर रहे हैं। सांसद सैयद मुस्तफा ने कहा कि हमारे –शेष पृष्ठ दो पर

मालदा में बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। दो अन्य लोग झुलस गए। गुरुवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में मणिचक थाना क्षेत्र निवासी दो नाबालिग और माला थाना क्षेत्र के साहापुर निवासी तीन लोग शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, वहीं दो अन्य लोग गजोल थाना क्षेत्र के अदीना और रतुआ थाना क्षेत्र के बालूपुर के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि –शेष पृष्ठ दो पर

दिलीप घोष के पोलिंग एजेंट का मिला शव

कोलकाता। 15 मई की रात से लापता एक भाजपा कार्यकर्ता का शव गुरुवार को पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान जिले में मिला। इसके बाद से एक नया विवाद पैदा हो गया और स्थानीय भाजपा नेताओं ने दावा किया कि उसकी हत्या टीएमसी कार्यकर्ताओं ने की है। हालांकि, सत्तारूढ़ टीएमसी ने इस आरोप से इनकार किया है। अभिजीत रॉय मंतेश्वर के जमना क्षेत्र में भाजपा बूथ अध्यक्ष और बूथ संख्या 168 के पोलिंग एजेंट थे। मंतेश्वर बर्दवान-दुर्गापुर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है जहां दिलीप घोष भाजपा –शेष पृष्ठ दो पर

डायबिटीज, हार्ट और लीवर जैसी कई बीमारियों की 41 दवाएं होंगी सस्ती

नई दिल्ली। भारत सरकार ने डायबिटीज-हार्ट और लीवर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए काम आने वाली दवाओं के दाम पर राहत देने का फैसला किया है। सरकार ने 41 दवाओं और 6 फॉर्मूलेशन के दाम तय किए हैं। केंद्र सरकार के इस फैसले से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। फार्मास्यूटिकल्स विभाग और राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, एंटासिड, मल्टीविटामिन और एंटीबायोटिक्स उन दवाओं में से हैं जो सस्ती हो जाएंगी। फार्मा कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे –शेष पृष्ठ दो पर

किसी की गलती के कारण अस्थायी रूप से हाथ से निकल गया पीओजेके : जयशंकर

नासिक। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में महंगाई को लेकर इन दिनों हिंसा जारी है। इसे लेकर भारत में केंद्रीय नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। गृह मंत्री अमित शाह के बाद अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कहा है कि पीओजेके को भारत का हिस्सा बताया है। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू पर परोक्ष रूप से निशाना भी साधा। जयशंकर ने एक कार्यक्रम में एक सवाल पर कहा कि पीओजेके भारत का हिस्सा है और किसी की कमजोरी या गलती के कारण यह अस्थायी रूप से हमसे दूर हो गया है। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने भी यही बात कही थी। पश्चिम बंगाल में एक चुनावी रैली में शाह ने पाकिस्तान को घेरते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत इसे (पीओके) ले लेगा। दरअसल, *विश्वबंधु भारत* कार्यक्रम में जयशंकर से पूछा गया था कि यदि भारत *लक्ष्मण रेखा* को पार करता है और पीओजेके को भारत संघ में शामिल करता है तो चीन की प्रतिक्रिया क्या होगी? –शेष पृष्ठ दो पर

धन्नीपुर में बननेवाली मस्जिद पर कोई मुसलमान नहीं जाएगा : ओवैसी

अयोध्या। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक खास कार्यक्रम *सत्ता सम्मेलन* में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अयोध्या के धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने इसे मस्जिद मानने से ही इनकार कर दिया है। साथ ही कहा कि कोई भी मुसलमान उस मस्जिद में नमाज नहीं पढ़ेगा क्योंकि उसकी नमाज कबूल नहीं होगी। एआईएमआईएम चीफ से सवाल किया गया कि कोर्ट के फैसले पर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद धन्नीपुर में मस्जिद भी बननी है, ओवैसी मस्जिद में जाएंगे? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उस मस्जिद में कोई मुसलमान नहीं जाएगा, न नमाज पढ़ेगा। उनकी नमाज कबूल नहीं होगी। –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विपक्ष का फार्मूला, पांच साल में पांच प्रधानमंत्री : नरेंद्र मोदी

प्रतापगढ़ (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतापगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि (इंडी अलायंस) सरकार चलाने का फॉर्मूला है- हर साल एक नया पीएम। ये चाहते हैं कि भानुमति का कुनबा जोड़ने वालों को लूट का बराबर मौका मिले। ये आपको मंजूर है क्या? प्रधानमंत्री ने कहा कि देश चलाना सोने की चम्मच लेकर पैदा होने वाले बच्चों के बस की बात नहीं है। रायबरेली की जनता भी खटाखट खटाखट भेजेगी घर। अमेठी से गए और अब ये रायबरेली से भी जाएंगे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि शहजादे चाहे लखनऊ वाले हों या दिल्ली वाले, गर्मी की छुट्टियों में विदेश निकल जाएंगे- खटाखट खटाखट। और मैं गारंटी देता हूं कि आपकी सेवा के लिए दिन-रात एक करके काम करूंगा ।मेरा पल-पल आपके नाम, मेरे शरीर का कण-कण आपके नाम। इन शहजादों को न मेहनत की आदत है और न ही नतीजे लाने की। इसलिए ये कहते हैं देश का विकास अपने आप होगा देश का विकास खटाखट होगा। ये सोचते हैं कि भारत आत्मनिर्भर अपने आप बन जाएगा और पूछो तो कहते हैं- खटाखट-खटाखट। ये कहते हैं कि भारत की गरीबी हम दूर कर देंगे- खटाखट-खटाखट। नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन में वहीं लोग हैं जो सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हैं। आपको सपा-कांग्रेस से सावधान रहने की जरूरत है। 04 जून को सभी रिकॉर्ड टूट जाएंगे देश में भाजपा सरकार बनेगी। हम विकसित व आत्मनिर्भर भारत बनायेंगे। तीसरे कार्यकाल में हम हिन्दुस्तान को दुनिया में तीसरे नंबर की ताकत बनाकर रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा-कांग्रेस देश के विकास का मजाक उड़ाती है। इनकी नजर देश के खजाने पर है। इन लोगों ने 2014 से पहले देश को बर्बाद कर दिया था। हर क्षेत्र में लूट मची थी। देश निराशा के गर्त में डूबा था। हम देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया में पांच नंबर पर ले आए हैं। आज भारत जी-20 जैसे बड़े आयोजन बड़ी सफलता और गर्व के साथ करवाता है। भारत अपने तिरंगे की छाप चंद्रमा पर छोड़ता है। 10 साल पहले ऐसी सफलता की कल्पना भी कर सकते थे क्या? तब हजारों करोड़ के घोटाले के अलावा कोई खबर आई थी क्या? जो पहले असंभव था, आज वह संभव हो पाया है। यह बदलाव, यह सफलता मोदी के कारण नहीं बल्कि आपके एक वोट के कारण मिली है, यह आपके वोट की ताकत है। इसलिए आज पूरा देश कह रहा है- इस सरकार का तीसरा कार्यकाल होगा और दमदार। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतापगढ़ के नाम में ही प्रताप है। ये वीरों और बलिदानियों की भूमि है और आज हमारे भारत का प्रताप पूरी दुनिया देख रही है, आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। यूपी का विकास, देश का भविष्य आपके एक वोट से तय होगा। लोकसभा प्रत्याशी को जिताने की अपील करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप संगमलाल को भारी बहुमत से जिताएं। आपका एक-एक वोट मोदी की ताकत बढ़ाएगा। इसलिए ज्यादा से ज्यादा मतदान करिए और मतदान के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दीजिए।

इंडिया गठबंधन अहंकारी भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेगी : अरूण यादव

झांसी (हिंस)। इंडिया (आईएनडीआईए) गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के चुनाव प्रचार के लिए गुरुवार को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश और पूर्व केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव झांसी पहुंचे। यहां पर उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन ने इस अहंकारी भाजपा सरकार को बदलने का बीड़ा उठाया है। रूझान बता रहे हैं कि मध्य प्रदेश में भाजपा मात्र 10-12 सीटें ले सकेंगी और इंडिया गठबन्धन 4 जून को विकास की नई इबारत लिखने जा रहा है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एमपी अरूण यादव ने कहा कि जिस प्रकार पीएम अपने भाषणों में शब्दावली का प्रयोग कर रहे हैं उससे लगता है कि 400 सीटें तो दूर उनकी स्थित खराब है। मंगलसूत्र के बाद उन्हें भैंस की याद आई। इस पर भी कोई काम नहीं बना तो हिंदू-मुस्लिम की बात पर आए। राहुल गांधी ने आगाह किया था कि अब उनके घड़ियाली आंसू बहेंगे और ये हुआ भी। उन्होंने अपने न्याय पत्र के वादों को भी सुनाया। दिल्ली में विश्व का सबसे बड़ा आंदोलन हुआ, जिसमें 700 अन्न दाताओं की मौत हुई। एमएसपी का कानून लेकर कांग्रेस आएगी। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में हर वर्ग को विशेषाधिकार देने की कोशिश की है। महालक्ष्मी योजना में हर परिवार की गरीब महिला को हर माह आठ हजार पांच सौ रूपया, बेरोजगार युवक की पहली नौकरी पक्की। मनरेगा में हर मजदूर की मजदूरी चार सौ रूपया प्रतिदिन और हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में हर किसी का ध्यान रखा गया है। अभी तक के रूझान देख कर प्रधानमंत्री को चार सौ पार का नारा धूमिल नजर आ रहा है इसलिए तीन दिन पहले वाराणसी में प्रधानमंत्री ने घड़ियाली आंसू बहाए। बीएचईएल को हमने नौ रत्न कंपनी का दर्जा दिया था जो आज बरबादी की कगार पर खड़ी है। किसानों का कर्ज माफ करेंगे। प्रत्याशी प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि झांसी से सांसद को कोई लेना-देना नहीं है। झांसी में समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है। यहां पानी का अभाव है। झांसी का नाम बदल दिया गया, फिर सुधार किया गया। इस पर सांसद कुछ नहीं बोले। बुंदेलखंड में गौ माता के बुरे हाल है। उनके लिए न चारा है न पानी। गौ माता बेहाल हैं। झांसी में पंद्रह हजार मकानों पर एनजीटी की तलवार लटकी हुई है लेकिन सांसद को कोई मतलब नहीं। कल पूरे दिन शहर का व्यापारी परेशान रहा, दुकानों के शेड तोड़े गए लेकिन किसी ने अफसोस जता कर माफी नहीं मांगी। संत रविदास की प्रतिमा स्थापित करने पर सैकड़ों की संख्या में पुलिस बुलाई गई। बातचीत के बाद मामला खत्म हुआ, लेकिन बाद में 12 धाराएं लगा कर एफआईआर दर्ज करवा दी गयी। मेरा कहना है कि हमारे साथ कुछ भी करो पर गरीबों को तो छोड़ दो। सौ में से 99 युवक बेरोजगार हैं। डिफेंस कोरिडोर के लिए गरीब किसानों की जमीन ली गई और अमीरों को देंगे। तीन लाख पचास हजार लोगों के पैसे सहारा में फंसे हैं। मैं इस लड़ाई को लड़ कर गरीब जनता का पैसा वापस दिलवाने का काम करूंगा। पूर्व सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि बुंदेलखंड बहुत पिछड़ा इलाका है।

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में 35 वर्षीय एक पुरुष अज्ञात व्यक्ति की मौत गत 12 मई दोपहर 1.28 को हुई। जिसकी जानकारी अस्पताल कर्मी द्वारा दिया गया। उक्त व्यक्ति का मरणोत्तर जांच भी हो गई है। शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखने के लिए पुलिस सर्जन जीएमसीएच, भंगागढ़, गुवाहाटी, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग को प्रार्थना पत्र भेजा गया है क्योंकि अभी तक कोई रिश्तेदार या पहचानने वाला व्यक्ति नहीं मिला है।

गुवाहाटी में जाली नोट के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुरुवार को राजधानी के हाथीगांव इलाके के पुबेरुन पथ में एक अभियान चलाकर जाली नोट के एक तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर के पास से 371 भारतीय जाली नोट बरामद किए गए। इस नोट का बाजार मूल्य एक लाख 85 हजार पांच सौ रुपए है। इस दौरान दो मोबाइल फोन तथा 65 रुपए नकद भी बरामद किए गए। गिरफ्तार तस्कर की पहचान सजारूल इस्लाम (30, लखीमपुर) के रूप में की गई है। इस सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

दिसपुर में शव मिलने से सनसनी

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के दिसपुर में एक शव की बरामदगी को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फ़ैल गई। गुरुवार को दिसपुर में एसबीआई शाखा के सामने नाले से शव बरामद किया गया। हालांकि, शव की पहचान नहीं हो पाई है। दिसपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। दिसपुर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर शव को अंत्यपरीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

ओरांग राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों के लिए बंद

दरंग (हिंस)। ओरांग राष्ट्रीय उद्यान गुरुवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया। इस अवधि के दौरान जीप और हाथी सफारी भी बंद रहेंगे। प्रत्येक वर्ष मानसून के कारण इस समय में उद्यान को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया जाता है। बरसात के दिनों में वन्य प्राणियों के लिए पार्क के कई हिस्सों में जाना बंद हो जाता है, जिस कारण उनके लिए जगह कम पड़ जाते हैं। ऐसे में वन्य प्राणी उद्यान के अंदर ऊंचे स्थानों पर आ जाते हैं। इस मौसम में पर्यटकों के आने से वन्य प्राणियों के लिए मुश्किलें पैदा हो जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए उद्यान को बंद कर दिया जाता है। ज्ञात हो कि उद्यान में 125 गैंडे, 26 बाघ, हाथी, हिरण और विभिन्न प्रकार की पक्षियों की प्रजातियां हैं।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

LIVER SPECIALIST / TRANSPLANT TEAM

DR. SENTHIL GNANSEKARAN MBBS, MS, MRCS, DNB, MCH(AIMS)PDF

Will be available only for consultation at **Guwahati**

ON 25th May'2024

Patients suffering from Upper Abdominal Pain & discomfort, Blood Vomitting Liver Failure, Hepatitis B & C, Alcoholic Liver Disease, Pancreas complaints, Liver Cirrhosis & Liver Tumour, Fatty Liver, Jaundice, Gallbladder Stones,require liver Transplantation etc can Call.

APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER

Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati

Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

17 विदेशियों को...

अधिक समय बिता चुके लोगों की रिहाई की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उधर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कई विदेशी नागरिक वर्षों से हिरासत केंद्रों में बंद हैं और उनकी हालत खराब हो रही है। अदालत ने अप्रैल में राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण से दो वर्ष से हिरासत में लिए गए विदेशियों के बारे में जानकारी देने को कहा था। उस दौरान पीठ ने प्राधिकरण को हिरासत केंद्रों में जाने और विदेशी नागरिकों को दी जाने वाले सुविधाओं की जानकारी लेने के लिए एक टीम का गठन करने का निर्देश दिया था। दरअसल कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई हो रही थी। याचिका में उन विदेशी नागरिकों को रिहा करने की मांग की गई थी, जो दो वर्षों से अधिक समय से असम के हिरासत केंद्रों में बंद हैं।

प. बंगाल को बांग्लादेश...

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी वाली बुआ बबुआ की चाल समझ गई, ऐसी हालत में उन्हें पश्चिम बंगाल से नई बुआ को लाना पड़ा। बबुआ को अपनी नई बुआ से यह सवाल करना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को गालियां देकर क्यों भगा दिया जाता है। क्योंकि समाजवादी पार्टी और ममता बनर्जी तुष्टिकरण की राजनीति करती हैं। इसलिए दोनों की राजनीतिक विचारधाराएं समान है। बबुआ उत्तर प्रदेश को पश्चिम बंगाल बनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा सरकार न होती तो अयोध्या में श्रीराम मंदिर, बाबा काशी विश्वनाथ और विंध्याचल कॉरिडोर का निर्माण नहीं होता। यह लोग किसी भी कीमत पर राम मंदिर का निर्माण नहीं होने देते। आज स्थितियां बदल गई है लेकिन कभी रामलाल को टेंट में देखकर बहुत तकलीफ होती थी। ऐसे लोग भगवान राम को काल्पनिक बताते हैं। कांग्रेस के शहजादे का बस चले तो वे राममंदिर में ताला लगाना चाहते हैं। भाजपा ने उत्तर प्रदेश की छवि को बदला है। हम *वन जिला वन प्रोडक्ट* की बात करते हैं जबकि समाजवादी पार्टी *वन जिला वन माफिया* की बात करती है। यूपी में पहले माफियाओं का राज था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से यह साबित हो गया कि यहां सीधी लड़ाई इंडी गठबंधन और भाजपा के मध्य है। उन्होंने राहुल गांधी पर कम लेकिन ममता और अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने मायावती पर कोई हमला नहीं बोला। मोदी मायावती पर काफी नरम दिखे और उनकी चर्चा भी नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भदोही की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है कि टीएमसी भदोही में कहां से आ गई। इसका कारण यह है कि समाजवादी पार्टी मैदान छोड़कर भाग गई है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कोई वजूद नहीं बचा है। भदोही में कांग्रेस और सपा की जमानत बचना मुश्किल हो गई थी, जिसकी वजह से बबुआ ने पश्चिम बंगाल से नई बुआ को लाकर उत्तर प्रदेश में नया सियासी प्रयोग किया है। आप लोग इस प्रयोग को कभी सफल होने मत देना। पश्चिम बंगाल में टीएमसी कैसी राजनीति कर रही है क्या आप लोग उससे परिचित नहीं है। वहां हिंदुओं की कैसी दशा है, पूरा देश जानता है। मोदी ने मामता सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि हिन्दुओं की हत्या की जा रही है। रामनवमी पर प्रतिबंध लगाया गया। राम मंदिर को अपवित्र बताया गया है। जबकि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशियों को खुलेआम संरक्षण दिया जा रहा है। यह सब वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति है। आप लोग ऐसी राजनीति से तौबा करना। उत्तर प्रदेश की छवि योगी सरकार ने बदल दिया है। माफिया और गुंडे अब यहां जेल में है। बहन बेटियों को कोई असुरक्षा नहीं है। प्रदेश की जनता गुंडों माफियाओं से नहीं डरती है।

चार चरणों में ...

तक पहुंचने के लिए लक्षित प्रयासों को बढ़ाया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ 5वें, 6वें और 7वें चरण में मतदान करने वाले राज्यों के सीईओ को सभी मतदाताओं को समय पर मतदाता सूचना पर्चियां वितरित करने और आउटरीच गतिविधियों को बढ़ाने का निर्देश दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त का कहना है कि आयोग का दृढ़ विश्वास है कि साझेदारी और सहयोग मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के आवश्यक स्तंभ हैं। यह देखना वाकई खुशी की बात है कि आयोग के अनुरोध पर महत्वपूर्ण पहुंच रखने वाले विभिन्न संस्थान, प्रभावशाली व्यक्ति और मशहूर हस्तियां प्रो-बोनो आधार पर उत्साहपूर्वक काम कर रहे हैं।

गर्मी का प्रकोप ...

पूर्वानुमान जारी किया है। पारे के स्तर में इस असामान्य वृद्धि ने दैनिक जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, लू के कारण कई क्षेत्रों में कामकाज ठप हो गया है। बोरझार में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मई के सामान्य स्तर को पार करते हुए तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आईएमडी के प्रेस बयान में इसका कारण दिन के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहने और तीव्र सौर सूर्यातप को बताया गया है, जिसके परिणामस्वरूप असम के जिलों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया है। यह सामान्य तापमान से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्शाता है। हीटवेव का प्रभाव वाणिज्य से परे तक फैला हुआ है, जो व्यक्तियों की दिनचर्या और भलाई को प्रभावित कर रहा है। एक मां ने दैनिक जिम्मेदारियां निभाते हुए गर्मी से निपटने की चुनौतियों को व्यक्त करते हुए कहा कि यह बहुत गर्म है, और गर्मी के बावजूद, हमें अपनी दिनचर्या जारी रखनी होगी। उन्होंने लोगों से वायु गुणवत्ता में सुधार और आवश्यक ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए अधिक पेड़ लगाने का आग्रह किया। जैसे-जैसे गर्मी का प्रकोप जारी है, अधिकारी इसके प्रभावों को कम करने के लिए सावधानी बरतने और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह कर रहे हैं, और ऐसी चरम मौसम स्थितियों से निपटने में स्थायी पर्यावरणीय प्रथाओं के महत्व पर जोर दे रहे हैं।

मोदी को तीसरी बार ...

कर रहे थे। भाषण की शुरूआत से पहले स्थानीय नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के इंडी गठबंधन पर भी जमकर निशाना साधते हुए कहा कि इंडी गठबंधन वाले आज कहते हैं। पीओके की बात मत करिए। पाकिस्तान के पास एटम बम है। मैं इन्हें कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान के एटम बम से आप डरो, मोदी के नेतृत्व में भारत इतना मजबूत है कि किसी को भी एटम बम से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पीओके हमारा है और हम इसे लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि आप नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो, गोहत्या करने वालों को उल्टा लटकाकर सीधा किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के सबसे पहले अति पिछड़े प्रधानमंत्री हैं। आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू यादव से सवाल पूछना चाहता हूं कि आप बिहार में पंद्रह साल मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के पद पर रहे। आपने कर्पूरी ठाकुर को कभी भारत रत्न का सम्मान क्यों नहीं दिया। मोदी ने अभी-अभी कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न का सम्मान दिया है। कर्पूरी ठाकुर ने न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश के सर्वहारा वर्ग दलित, वंचित आदिवासी, पिछड़ों, माताओं और किसानों की आवाज बुलंद करने का काम किया। सभा में मंच पर भाजपा के उम्मीदवार अशोक यादव सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

छोटी सोच छोड़ो...

के लिए है। मुझे नहीं लगता कि इस पर लोगों को संकीर्ण विचार रखने चाहिए। और उन्होंने अतीत में ऐसा नहीं किया है। जयशंकर ने कहा कि अगर आप अतीत में चाहबहार को लेकर अमेरिका के खुद के रवैये को देखें तो वह इस तथ्य का प्रशंसक रहा है कि चाबहार की व्यापक प्रासंगिकता है। हम इस पर काम करेंगे। भारत ने 2003 में ऊर्जा संपन्न ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह को विकसित करने का प्रस्ताव रखा था। इसके जरिए अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) का इस्तेमाल कर भारत से सामान अफगानिस्तान और मध्य एशिया भेजा जा सकेगा। अमेरिका ने संदिग्ध परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए थे, जिसके चलते बंदरगाह के विकास का काम धीमा पड़ गया था। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि हम इन खबरों से अवगत हैं कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं चाहूंगा कि भारत सरकार चाबहार बंदरगाह और ईरान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों पर बात करे। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह को लेकर ईरान के साथ भारत के समझौते के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि चूंकि यह अमेरिका से संबंधित है, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं और हम उन्हें बरकरार रखेंगे। पटेल ने कहा कि आपने हमें कई मामलों में यह कहते हुए सुना है कि कोई भी इकाई, कोई भी व्यक्ति जो ईरान के साथ व्यापारिक समझौते पर विचार कर रहा है, उन्हें संभावित जोखिम और प्रतिबंधों के बारे में पता होना चाहिए।

भारत चांद पर ...

टीवी स्क्रीन पर जब हम खबरें देखते हैं कि भारत चांद पर पहुंच गया और उसके दो सेकेंड बाद ही खबर आती है कि कराची में खुले गटर में गिरकर बच्चे की मौत हो गई। एमक्यूएम-पी नेता ने कराची में ताजा पानी की कमी का जिक्र करते हुए कहा कि कराची पाकिस्तान में राजस्व का इंजन है। देश में दो बंदरगाह हैं और दोनों कराची में हैं। एक तरह से यह देश का गेटवे है। 15 वर्षों से कराची को ताजा पानी नहीं मिला है, जब भी पानी आता है तो तो उसे टैंकर माफिया कब्जा लेते हैं। सैयद मुस्तफा कमाल ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि सिंध प्रांत में करीब 70 लाख बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा करीब 2.6 करोड़ है। कराची, सिंध प्रांत की ही राजधानी है। मुस्तफा कमाल ने कहा कि हमारे यहां कुल 48 हजार स्कूल हैं, लेकिन एक रिपोर्ट बताती है कि इनमें से 11 हजार स्कूल खाली पड़े हैं। देश में 2.62 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे। इस बात से देश के नेताओं की नींद उड़ जानी चाहिए।

मालदा में बिजली ...

हरीशचंद्रपुर के एक खेत में काम कर रहे दंपति की भी आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, आकाशीय बिजले की चपेट में आकर जान गंवाने वाले बाकी लोग इंग्लिशबाजार और मणिचक थाना इलाके के निवासी थे। इन्हें राज्य सरकार की ओर से वित्तीय मुआवजा मिलेगा।

दिलीप घोष के ...

उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों को गुरुवार सुबह एक फार्महाउस में रॉय का शव मिलने के बाद मंतेश्वर पुलिस स्टेशन की एक टीम ने उसे बरामद किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पोस्टमार्टम के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। रॉय की मौत की खबर फैलने के तुरंत बाद, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मंतेश्वर पुलिस स्टेशन के सामने इकट्ठा होने लगे और हत्या का मामला दर्ज करने और दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए परिसर का घेराव किया। स्थानीय भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि रॉय की हत्या तृणमूल कांग्रेस समर्थित बदमाशों ने की है और दावा किया कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह अपना जीवन समाप्त कर लें। भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष ने दावा किया कि टीएमसी हमेशा क्षेत्र को आतंकित करने की कोशिश करती है ताकि वह बूथों पर धांधली कर सके। इस बार टीएमसी ऐसा करने में विफल रही और हताशा में उन्होंने शायद अभिजीत की हत्या कर दी।

हम राष्ट्रीय स्तर पर...

भी साथ रहेंगे। बनर्जी ने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन में शामिल माकपा और कांग्रेस दोनों की पश्चिम बंगाल इकाइयां ने हाथ मिला लिया है और राज्य में भाजपा की मदद कर रही हैं। उन्होंने रैली में कहा कि बंगाल में माकपा और कांग्रेस पर भरोसा नहीं करें। वे हमारे साथ नहीं हैं, वे यहां भाजपा के साथ हैं...। बनर्जी ने बुधवार को कहा था कि उनकी पार्टी केंद्र में सरकार बनाने के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया को बाहर से समर्थन देगी। लोकसभा चुनाव में 400 सीटें हासिल करने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर संदेह व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि लोग उन्हें खारिज कर देंगे। बनर्जी ने कहा कि पूरा देश जान गया है कि भाजपा चोरों से भरी पार्टी है। हम (तृणमूल) केंद्र में सरकार बनाने के लिए बाहर से इंडिया गठबंधन का समर्थन करेंगे। हम अपना समर्थन देंगे ताकि बंगाल में हमारी माताओं-बहनों को कभी दिक्कत न हो...और 100 दिन रोजगार योजना में काम करने वालों को भी दिक्कत न हो। टीएमसी ने पूर्व में कहा था कि वह राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी हालांकि वह पश्चिम बंगाल में अलग लड़ेगी। टीएमसी प्रमुख तमलुक में एक रैली को संबोधित कर रही थीं, जिसके अंतर्गत नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र आता है। बनर्जी 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। शुभेंदु ने बनर्जी को 1,956 मतों से हराया था। बनर्जी ने कहा कि दो मई, 2021 को मतगणना के दिन मतगणना केंद्र पर बिजली की आपूर्ति काटकर भाजपा ने जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनादेश चुरा लिया। उन्होंने मतगणना केंद्र की बिजली आपूर्ति काट दी। मैं इसके खिलाफ अदालत गई थी। लेकिन अब मैं अपनी हार का बदला लूंगी।

डायबिटीज, हार्ट और ...

विभिन्न दवाओं की कम कीमत की जानकारी तत्काल प्रभाव से डीलरों और स्टॉकिस्टों को दें। एनपीपीए की 143वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यक दवाओं की कीमत जनता के लिए सस्ती रहे। भारत दुनिया में मधुमेह के सबसे अधिक मामलों वाले देशों में से एक है, देश में 10 करोड़ से अधिक मधुमेह यानि डाइबिटीज रोगी हैं, जिन्हें कीमत में कटौती से लाभ होने की उम्मीद है। पिछले महीने, फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने 1 अप्रैल से प्रभावी, 923 अनुसूचित दवा फॉर्मूलेशन के लिए अपनी वार्षिक संशोधित छत कीमतें और 65 फॉर्मूलेशन के लिए संशोधित खुदरा कीमतें जारी कीं।

किसी की गलती ...

इसका जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि मैं मुझे विश्वास नहीं है कि लक्ष्मण रेखा जैसी कोई चीज है। मुझे लगता है कि पीओजेके भारत का हिस्सा है और किसी की कमजोरी या गलती के कारण यह अस्थायी रूप से हमसे दूर हो गया है। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम इस हिस्से को हासिल करेंगे। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में चीन की भागीदारी पर भी बात की। जयशंकर ने कहा कि भारत का पीओजेके पर वैध दावा है, ऐसे में न तो पाकिस्तान और ना ही चीन इस पर अपनी संप्रभुता का दावा कर सकता है। जयशंकर ने आगे कहा कि मैं चीन का राजदूत था, और हम सभी चीन की पिछली हरकतों और पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करने के बारे में जानते हैं...उनका पुराना इतिहास है। हमने उन्हें बार-बार बताया है कि इस भूमि, पर न तो पाकिस्तान और न ही चीन अपना दावा कर सकता है। यदि इसका कोई संप्रभु दावेदार है तो यह भारत है। आप कब्जा कर रहे हैं, आप वहां निर्माण कर रहे हैं, लेकिन कानूनी स्वामित्व हमारा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 1963 में हुए पाकिस्तान और चीन के बीच के समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि 1963 में, पाकिस्तान और चीन अपनी दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए सहमत हुए।

धन्नीपुर में बननेवाली ...

उसे मस्जिद नहीं बोल सकते। वो मस्जिद-ए-जरारा है। हमारी लड़ाई मस्जिद को बचाने की थी। अगर हम लखनऊ की गलियों में जाकर भीख मांगेंगे तो बेशक लोग वोट न दें लेकिन मस्जिद बनाने के लिए लोग पैसे दे देंगे। एक अन्य सवाल एआईएमआईएम को अब कांग्रेस की बी टीम कहा जा रहा है के जवाब में ओवैसी ने कहा कि जहां जिसको जो सही लगता है, वो बोल देता है। पीएम ने कहा कि हैदराबाद को लीज पर दे दिया गया है। हमसे भाजपा और कांग्रेस दोनों को तकलीफ है। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी की तारीफ करने के मामले में उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद हमने उनको मुबारकबाद दी थी। उन्होंने कहा कि हमने दो कार्यों के लिए उनको फोन किया था। उन्होंने पूछा तो हमने बताया कि ये काम मेट्रो की लाइन और रोड से जुड़े हैं। इस पर दो दिन बाद उन्होंने बताया कि 2 सौ करोड़ सड़क के लिए दिए गए हैं। मेट्रो लाइन पर भी काम करेंगे। विकास के लिए तो बात करनी होगी। वो सीएम हैं, समस्याएं हैं, उनसे कहेंगे। इसके बाद भाजपा पर हमला बोलते हुए ओवैसी ने कहा कि हम शुरू से भाजपा को हराने का काम कर रहे हैं। तेलंगाना की आवाम से हमने कहा था कि 13 मई को हैदराबाद में पतंग और तेलंगाना में भाजपा खत्म। हमने ये नारा दिया था। हमें मोदी को रोकना है। हैदराबाद में पतंग कैसी उड़ी? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि इस सीट से हमको बहुत बड़ी कामयाबी मिलेगी।

चुनाव : नासिक में ...

अलावा कुछ नहीं मिला है। अधिकारियों ने इस तलाशी अभियान की वीडियोग्राफी भी करवाई है। शिंदे के बैग की तलाशी शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राऊत के उस आरोप के बाद गई, जिसमें उन्होंने दो दिन पहले आरोप लगाया था कि शिंदे नौ बैगों में 12 से 13 करोड़ रुपये नासिक लाए थे। राऊत ने यह भी कहा था कि सिर्फ विपक्षी नेताओं के बैग और हेलीकॉप्टर की जांच चुनाव आयोग कर रहा है, जबकि सत्तापक्ष के लोग भारी बैगों में करोड़ों रुपये हेलीकॉप्टर से ले जा रहे हैं। चुनाव आयोग सत्तापक्ष के लोगों के हेलीकॉप्टर और उनमें ले जाने वाले बैग की तलाशी नहीं कर रहा है। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि यह एकनाथ शिंदे का पहले से ही तय किया गया स्टंट था। संजय राऊत ने जब आरोप लगाया था तो उसी समय सीएम एकनाथ शिंदे के बैग की तलाशी क्यों नहीं ली गई? दानवे ने कहा कि राज्य की जनता शिंदे इस स्टंट को समझ रही है। सत्तापक्ष की ओर से चुनाव में बड़े पैमाने पर पैसे बांटकर आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है, लेकिन चुनाव आयोग मूकदर्शन बना बैठा है।

विहिप ने हिन्दू ...

पत्र लिखकर उनका अभिनंदन करते हुए कहा कि एक लंबे संघर्ष के पश्चात जिहादी धर्मांतरण का शिकार होने से बच गए हिंदू समाज के लोग भारत में शरणार्थी के रूप में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से भारत आए। ये सभी उन देशों में अल्पसंख्यक थे लेकिन दुर्भाग्य से मजहबी इस्लामिक शासन होने के कारण इनको प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा। हर प्रकार के दु:ख झेलने पड़े। गुप्ता ने अपने पत्र में लिखा कि जब भी कोई हिंदू विदेश की किसी भी धरती पर प्रताड़ित होता है या उसके साथ दुर्व्यवहार होता है या उसके साथ भेदभाव होता है तो उसके पास भारत की ओर देखने के अलावा दूसरी कोई आशा की किरण नहीं होती है। आजादी के बाद भी एक लंबे समय तक इनकी इस आशा और आकांक्षा को दुर्लक्ष किया गया और इसी उपेक्षा के कारण से भारत की धरती पर विश्व हिंदू परिषद का जन्म हुआ। विश्व हिंदू परिषद के प्रारंभिक उद्देश्यों में से एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह भी था कि पूरे विश्व में जहां कहीं भी हिन्दू प्रताड़ना का शिकार होंगे या हिन्दू को किसी सहायता या सहयोग की आवश्यकता होगी तो विश्व हिन्दू परिषद उसकी आवाज बनेगा। उल्लेखनीय है कि विहिप के सेवा आयाम की ओर से सीएए के अन्तर्गत हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता दिलाने में मदद के लिए विहिप की ओर से देशभर में सीएए सहायता केंद्र खोले जा रहे हैं। उसी कड़ी में दिल्ली के छह क्षेत्रों में सहायता केंद्र चलाए जा रहे हैं ।

मणिपुर में केसीपी के चार कैडर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर की थौबल पुलिस और 33 असम राइफल्स द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (पीपुल वॉर ग्रुप) के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह गिरफ्तारी व्यस्ततम् यारीपोक बाजार क्षेत्र से गुप्त सूचनाओं के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान की गई। पकड़े गए उग्रवादियों की पहचान सिनाम बिजेन उर्फ मंगांग मीतेई (38), अंगोम इंगो उर्फ आपा सिंह (53), वेरेपम जयंता सिंह (36) और ओइनम नाओचा उर्फ मैक्स सिंह (24) के रूप में हुई है। गिरफ्तार उग्रवादियों से पांच मोबाइल हैंडसेट, दो 9 मिमी पिस्तौल के साथ 15 जीवित राउंड, पांच मांग पत्र, 5.56 मिमी के 20 राउंड और 7.62 मिमी गोला बारूद के चार राउंड, सफेद रंग से रंगी एक ए-स्टार कार जब्त किया गया।

बदरपुर में 1,200 ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास के नेतृत्व में बदरपुर पुलिस ने छापेमारी कर बदरपुर से भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल एक तस्कर को भी इस दौरान गिरफ्तार किया। गुरुवार को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मिजोरम से गुवाहाटी की ओर जा रहे एक ट्रक से उक्त हेरोइन जब्त की गई। पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास के नेतृत्व में बदरपुर पुलिस की एक टीम ने ट्रक (एएस-01जेसी-6796) के गुप्त कक्ष से हेरोइन से भरे 110 साबुन के डिब्बे बरामद किए। बक्से से कुल 1,200 ग्राम (1.2 किग्रा) हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने हेरोइन सप्लाई करने के आरोप में सिबुद्दीन नाम के तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने बताया कि जब्त हेरोइन की कीमत करीब 10 करोड़ रुपए है। ड्रग्स तस्कर ने हेरोइन को पड़ोसी राज्य मिजोरम से करीमगंज के रास्ते गुवाहाटी ले जाने की योजना बनाई थी। घटना के संबंध में बदरपुर थाने में मामला दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

मणिपुर में हेरोइन के साथ दो महिला समेत 3 तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने हेरोइन पाउडर के साथ दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार तस्करों से 13 प्लास्टिक के साबुनदानी में हेरोइन बरामद किए गए। गिरफ्तार तस्करों की पहचान बिष्णुपुर जिले के नामबोल माईबम चिंगमांग निवासी रुखसाना (25), रबीना उर्फ थम्बल (48) और मोहम्मद साबिर खान (30) के रूप में हुई है। उनके पास से एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया।

पूसी रलवे की चल रही परियोजनाओं का निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल अपने *कैपिटल कनेक्टिविटी* परियोजनाओं और भारत सरकार की *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* के तहत कई रेल परियोजनाओं को निष्पादित कर पूर्वोत्तर राज्यों की कनेक्टिविटी परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अनिल कुमार खंडेलवाल, सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने बीते 13 मई से 15 मई तक पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के अधीन चल रही कुछ महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण की गई परियोजनाओं में भैरबी-साइरंग नई लाइन परियोजना, जिरिबाम-इम्फाल नई लाइन परियोजना और अगरतला-अखौड़ा अंतर्राष्ट्रीय रेल संपर्क परियोजना शामिल हैं। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि 13 मई को अनिल कुमार खंडेलवाल, सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने भैरबी-साइरंग नई रेल लाइन परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यह परियोजना देश के बाकी हिस्सों से पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम को मजबूत रेल कनेक्टिविटी के माध्यम से जोड़ेगी और यह

पूर्ण होने के अग्रिम चरण में है। परियोजना का लगभग 93 प्रतिशत कार्य अब तक पूरा हो चुका है। इस परियोजना के तहत मिजोरम राज्य में 51.38 किमी रेलवे ट्रैक और 55 बड़े पुल एवं 87 छोटे पुल शामिल हैं। परियोजना में सुरंगों की कुल लंबाई 12853 मीटर है। इस परियोजना में 4 स्टेशन हैं। परियोजना का पुल संख्या 196 का सबसे लंबा स्तंभ 104 मीटर है, जो कुतुब मीनार से 42 मीटर अधिक लंबा है। सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने 14 मई को जिरिबाम-इम्फाल नई लाइन परियोजना के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। इस परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ना है और यह पूर्ण होने के अग्रिम चरण में है। यह परियोजना 111 किमी लंबी है, जिसमें 52 सुरंगें, 11 बड़े पुल, 129 छोटे पुल शामिल हैं। इस परियोजना में विश्व के सबसे ऊंचे स्तंभ 141 मीटर की ऊंचाई पर रेलवे पुल का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना का लगभग 77 प्रतिशत कार्य अब तक पूरा हो चुका है। ये परियोजनाएं क्रमश: मिजोरम और मणिपुर के पहाड़ी राज्यों के लोगों को उन्नत कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। एक बार पूरा होने के बाद, यह सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले क्षेत्र में लघु उद्योगों को विकसित करने में मदद करेगी। इन राज्यों के लोगों को काफी कम लागत पर आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सहित देश भर में लंबी दूरी की ट्रेनों की पहुंच मिलेगी। सदस्य (अवसंरचना) ने 15 मई को अगरतला-अखौड़ा अंतर्राष्ट्रीय रेल संपर्क परियोजना का भी निरीक्षण किया, जो निश्चिंतपुर (त्रिपुरा) में अंतर्राष्ट्रीय इमिग्रेशन स्टेशन होते हुए बांग्लादेश के अखौड़ा स्टेशन को जोड़ेगी। यह भारत और बांग्लादेश के बीच यात्री और माल दोनों विनिमय के लिए एक दोहरी गेज स्टेशन होगा। यह रेल संपर्क पर्यटन क्षेत्र को काफी बढ़ावा देगा, व्यापार और वाणिज्य को गति मिलेगी तथा दोनों देशों के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

40 करोड़ की याबा टैबलेट जब्त, एक गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। स्थानीय पुलिस ने गुरुवार को करीब 40 करोड़ रुपए की नशीली याबा टैबलेट बरामद की हैं। इसके साथ ही ड्रग्स की तस्करी के आरोप में पत्थारकांदी थाना क्षेत्र के सलीम उद्दीन उर्फ अब्दुल्ला को गिरफ्तार किया है। करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थप्रतिम दास ने बताया कि एक सूचना के बाद पुलिस टीम ने गुरुवार को पोमारा बाईपास इलाके में जाल बिछाया। इस बीच एक चार पहिया इको कार को रोककर तलाशी ली गई तो कार से एक कार्टून के अंदर से करीब 40 करोड़ रुपए कीमत की दो लाख याबा टैबलेट बरामद हुईं। पुलिस अधीक्षक दास ने बताया कि तस्कर के आरोप में पत्थारकांदी थाना क्षेत्र के सलीम उद्दीन उर्फ अब्दुल्ला को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान पता चला कि इन टैबलेट्स को मिजोरम के चंपाई जिले से लाया गया था। करीमगंज सदर पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने बुधवार को करीमगंज जिला अंतर्गत बदरपुर में छापेमारी कर करीब 10 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की थी। इस मामले में एंगलबाजार इलाके के सिहाब उद्दीन को मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

फरार मवेशी चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के लक्ष्मीनगर इलाके से पुलिस ने मवेशी चोर तुलतुल दुवरी को गिरफ्तार किया है। एक अप्रैल को शिवसागर के बनमुख काथपा इलाके से 40 मवेशी की चोरी किए जाने की घटना में शामिल तुलतुल को लक्ष्मीनगर स्थित घर से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के समय तुलसुल अपनी पत्नी से मिलने के लिए आया हुआ था। ज्ञात हो कि मवेशी चोरी मामले में शिवसागर पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिक की आधार पर पुलिस ने अभियान चलाकर मवेशी चोरी मामले में तुलसुल को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है की 40 मवेशी चोरी होने के बाद पुलिस ने 32 मवेशियों को बरामद किया था। जबकि, आठ मवेशियों को नगांव जिले के कामपुर में मवेशी व्यापारी को तुलसुल ने बेच दिया था। पुलिस इस संबंध में पहले से दर्ज प्राथमिक की आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि इससे पहले भी मवेशी वाहन से डकैती करने के आरोप में तुलसुल को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

असम राजभवन में मनाया गया सिक्किम दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत असम राजभवन में आज सिक्किम का राज्यत्व दिवस मनाया गया। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने इस अवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेजीं। सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर रंजीत बरठाकुर, एसएम (सेवानिवृत्त) ने अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के साथ इसकी भौगोलिक निकटता को देखते हुए भारत के रणनीतिक परिदृश्य में सिक्किम की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बढ़ते पर्यटन उद्योग पर भी बात की। जिसके कारण पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई और परिणामस्वरूप राजस्व संग्रह में वृद्धि हुई। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे कनेक्टिविटी पर भी काम तेजी से

चल रहा है जो निश्चित रूप से राज्य के सामाजिक व आर्थिक परिदृश्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ सिक्किम की कनेक्टिविटी को भी बढ़ाएगा। ब्रिगेडियर रंजीत बरठाकुर ने सिक्किम के लोगों के सराहनीय गुणों की भी बड़ाई की। उनकी विनम्रता और बाहरी लोगों के प्रति अटूट समर्थन पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में नागरिक समर्थन के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर जोर दिया कि किसी भी संघर्ष में जीत केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि लोगों की एकजुटता और सहयोग से भी निर्धारित होती है। इस संबंध में उन्होंने देश की सामूहिक रक्षा और प्रगति को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका के लिए सिक्किम के लोगों की सराहना की। नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक सुदीप प्रधान और एआरसी सिक्किम हाउस, जशोदा छेत्री ने भी इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्य दिवस समारोह में राज्यपाल के सचिव स्वप्ना दत्ता डेका, कबिता डेका, पूर्व एपीएससी सदस्य संजीब गोहाईं बरुवा, पूर्व नौकरशाह स्वप्ननिल बरुवा के साथ-साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपलब्धि

विश्वनाथ चाराली। हाल ही में सीबीएसई की ओर से घोषित 10 की नतीजों में विश्वनाथ चारियाली की दी ईस्ट इंडियन स्कूल द ईस्ट इंडियन स्कूल की। मेघावी छात्रा नेहा दस्सानी ने कुल 91.80 प्रतिशत अंकों के साथ सफलता अर्जित कर अपने परिवार का नाम रोशन किया। नेहा दस्सानी विश्वनाथ के युवा व्यवसाई चंद्र प्रकाश दस्सानी व विनीता दस्सानी की पुत्री हैं।

रंगिया (विभास)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल ही में घोषित मेट्रिक परीक्षा के परिणामों में गुरुकुल ग्रामर स्कूल, गुवाहाटी के छात्र मनन रुपाका ने सभी विषयों में लेटर अंक सहित कुल 90.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने परिवार और विद्यालय सहित समूचे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गुवाहाटी क्रिश्चियन बस्ती के निवासी योगेश अग्रवाल - नीता अग्रवाल के ज्येष्ठ पुत्र मनन की इस सफलता से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल व्याप्त है। मनन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। वहीं उसने बताया कि सभी के सहयोग से उसने कड़ी मेहनत करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। मनन का सपना है कि आगे वह विज्ञान विषयों की पढ़ाई कर भविष्य में एक अच्छा इंजीनियर बने। उसने बताया कि प्रयासों से कुछ भी असंभव नहीं होता और वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भविष्य में और अधिक कड़ी मेहनत करेगा।

गुवाहाटी। सीबीएसई द्वारा घोषित 10वीं की परीक्षा में दिशा जैन ने 91.8 प्रतिशत अंक हासिल कर सफलता अर्जित की है। सरला बिरला ज्ञान ज्योति अमीनगांव (गुवाहाटी) की छात्रा दिशा गुवाहाटी के पल्टन बाजार निवासी पदमचदं-शांति देवी पाटनी की पौत्री व सुमित-रितिका जैन की सुपुत्री है।

हत्या के आरोप में मां-बेटा गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने हत्या के आरोप में मां-बेटे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को हरिबोल बिश्वास (43) की हत्या करने के आरोप में मृतक की पत्नी और उसके बेटे को गिरफ्तार किया गया। मृतक अपने बेटे की बाइक की किस्त चुकाने में विफल रहा था, इसलिए पत्नी और बेटे ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। यह घटना त्रिपुरा पश्चिमी जिले के लेफुंगा थाना अंतर्गत दमदमिया इलाके की है। लोगों ने खून से लथपथ मृतक के शव को देखकर लेफुंगा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। मृतक के भाई के आरोपों के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी अल्पोना विश्वास और उसका बेटा सुमन विश्वास के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने शव बरामद कर अंत्यपरीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद पत्नी और बेटा दोनों फरार हो गए थे। उन्हें सिपाहीजला जिले के बिशालगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया।

डायट, शोणितपुर ने लिंग जागरूकता सभा का किया आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। शोणितपुर जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान के बीएड द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं के सौजन्य में विश्वनाथ चारिआलि के अग्रणी शिक्षा अनुष्ठान चारिआलि आदर्श विद्यापीठ में लिंग विषमता को दूर कर क्षमता को प्रसार करने के उद्देश्य में एक जागरूकता सभा का आयोजित किया गया। सभा में विद्यालय के कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थी और अभिभावक शामिल होकर सभा की गरिमा बढ़ाई। सभा के शुरू में अंकिता सेन ने सभा उद्देश्य व्याख्या किया। इसके बाद सभा में बिदिशा बुढ़ागोहांई देबांगन फुकन, रिजु चंद, किरण भुइयां और टपिकी बिश्वास ने उक्त विषय को बहुत ही सारगर्भित तरीके से पावार प्वाइंट द्वारा समझाया। सभा में स्कूल की प्राचार्या बबीता हजारिका और सहायक शिक्षक बिद्युत बोड़ो ने लिंग विषमता को दूर कर क्षमता को प्रसार करने के ऊपर व्याख्या दिए। शहाजुल अली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा संपन्न हुई।

रंगिया : वार्षिकी झूलनोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू

रंगिया (विभास)। रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर के ऐतिहासिक श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा महोत्सव के इसवर्ष शत वार्षिकी आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसको यादगार बनाने की कवायद में स्थानीय मारवाड़ी समाज जोर-शोर के साथ जुट गया है। महोत्सव के सफल आयोजन हेतु मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया की अध्यक्षता में सोमवार को मंदिर प्रांगण में एक साधारण सभा आयोजित की गई। मंदिर संचालन समिति के सचिव प्रमोद अग्रवाल द्वारा गत सभा के प्रतिवेदन पाठ और सभा के उद्देश्यों की व्याख्या के साथ प्रारंभ हुई इस सभा में भारी संख्या में स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। बैठक में महोत्सव के सभी आयामों पर चर्चा की गई और इसके सफल संचालन हेतु एक आयोजन समिति का गठन किया गया। बैठक में सौवें वार्षिक महोत्सव समिति में सर्वसम्मति से मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया को अध्यक्ष, प्रमोद अग्रवाल को सचिव के अलावा राज कुमार लुंडिया को संयोजक और दिनेश तोदी को कोषाध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया है। इसके साथ ही विभिन्न उप-समितियों का भी गठन किया गया है। वहीं दूसरी ओर बैठक के दौरान महोत्सव के कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए इसकी रूप रेखा भी तैयार की गई। उल्लेखनीय है कि रंगिया का यह महोत्सव दूर-दूर तक विख्यात है। जिसमें देवी-देवताओं की लीलाओं के दर्शनार्थ भारी संख्या में भक्त उपस्थित होते है।

हत्या के मामले में 10 लोग गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने एक युवक की हत्या के मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। ज्ञात हो कि थौबल जिले के कीबुंग माथक लीकाई इलाके के मोइनम मोहम्मद टोम्बा (20) की पिछले दिनों हत्या कर दी गई थी। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सलमान खुर्शीद (29), मोहम्मद मंजुर (39), हवाईबाम चेस्टर उर्फ चालम्बा (29), सिनम ऐम्सम (28), ओइनम लियोनांडो मैतेई (25), मोहम्मद मजीबुर (19), एलंगबाम गोबिन सिंह (33), यांगखुबम रजिया (22), मोहम्मद आजम खान (32) और सिल्विया (19) के रूप में हुई है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। जांच जारी है।

मायुमं अमृत शक्ति रंगिया शाखा ने किया छात्र-छात्राओं का अभिनंदन

रंगिया (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच अमृत शक्ति शाखा द्वारा सेबा व सीबीएसई के कक्षा 10वीं तथा 12वीं की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से पास हुए छात्र-छात्राओं का आज अभिनंदन किया गया। श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित समारोह में मारवाड़ी युवा मंच रंगिया शाखा के संस्थापक अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा, संस्थापक सचिव प्रमोद अग्रवाल, व पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र जाजोदिया की उपस्थिति में रंगिया समाज से कक्षा 10 के 12 तथा कक्षा 12 के 16 छात्र छात्राओं का अभिनंदन फूलाम गामोछा व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा ज्योति सराफ, सचिव शिखा नथानी, सह सचिव सुषमा सिकरिया, उपाध्यक्ष पूजा सिकरिया शर्मा और मोनिका छित्रका, कार्यकारिणी सदस्य सारिका सिकरिया, प्राची सिकरिया, मोनिका अग्रवाल के साथ सदस्य खुशी जैन, यामिनी जैन, शिखा बजाज, गरिमा जैन, निबिता शर्मा, पूजा वैद्य के सहयोग से मातृ दिवस के अवसर पर 4 से 8 वर्ष के बच्चो के

बीच रंग भरो प्रतियोगिता, 8 से 13 वर्ष के बच्चो के बीच आर्ट व क्राफ्ट प्रतियोगिता तथा 14 से 18 वर्ष के बच्चो के बीच मां पर निबंध लिखो प्रतियोगिता आयोजित की गयी। तीनो प्रतियोगिता के प्रथम व द्वितीय रहे बच्चो को शाखा की ओर से पुरस्कार प्रदान करने के साथ ही करीब 52 प्रतियोगियों को सांत्वना भेंट किया गया। मालुम हो कि इस अवसर पर बच्चो के साथ अभिभावको की उपस्थिति से मंच सदस्य उत्साहित हुए व सभी का आभार व्यक्त किया गया।

संपादकीय

मुद्रास्फीति के विरोधाभासी रुख

एक मुद्रास्फीति कम हुई है, तो दूसरी महंगाई दर बढ़ी है। आप अचंभित न हों, क्योंकि महंगाई हमारे जीवन का अंतरंग हिस्सा बन गई है। सरकार मानने को तैयार नहीं है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चिंतित है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 4.83 फीसदी है, जो बीती मार्च में 4.85 फीसदी थी। हालांकि यह दर 11 माह के दौरान सबसे कम मुद्रास्फीति है। इसी दौरान खाने-पीने की वस्तुओं, अनाज, फल, सब्जियों, मांस-मछली आदि की खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 8.70 फीसदी हो गई है। मार्च में यह 8.52 फीसदी थी। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक को लक्ष्य दिया है कि मुद्रास्फीति 4 फीसदी रहनी चाहिए। उसमें अधिकतम 2 फीसदी की बढ़-घट हो सकती है। खुदरा मुद्रास्फीति सबसे कम है, लेकिन 4 फीसदी से अधिक है। अनाज की कीमतों में 8.63 फीसदी, फलों में 5.22 फीसदी, मांस-मछली में 8.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि अंडे, दालों, सब्जियों और मसालों की कीमतें कुछ कम हुई हैं। ये आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के हैं, जो मुद्रास्फीति की सरकारी स्थितियों का खुलासा करते हैं।

सरकार मानने को तैयार नहीं है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चिंतित है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 4.83 फीसदी है, जो बीती मार्च में 4.85 फीसदी थी। हालांकि यह दर 11 माह के दौरान सबसे कम मुद्रास्फीति है। इसी दौरान खाने-पीने की वस्तुओं, अनाज, फल, सब्जियों, मांस-मछली आदि की खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 8.70 फीसदी हो गई है। मार्च में यह 8.52 फीसदी थी। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक को लक्ष्य दिया है कि मुद्रास्फीति 4 फीसदी रहनी चाहिए। उसमें अधिकतम 2 फीसदी की बढ़-घट हो सकती है। खुदरा मुद्रास्फीति सबसे कम है, लेकिन 4 फीसदी से अधिक है। अनाज की कीमतों में 8.63 फीसदी, फलों में 5.22 फीसदी, मांस-मछली में 8.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

अलबत्ता खुले और बेलगाम बाजार की कीमतें कुछ और ही होंगी, लिहाजा मुद्रास्फीति उन्हीं के मुताबिक तय होगी। कुछ सर्वेक्षणों में 22 अर्थशास्त्रियों ने अप्रैल माह में खुदरा महंगाई के 4.87 फीसदी पर स्थिर रहने का अनुमान जताया था। उनका कहना था कि मार्च के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है, जो काफी हद तक मौसमी है। क्रिसिल ने अपनी रपट में कहा है कि भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, जून तक तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावनाएं हैं, जिसका असर सब्जियों के उत्पादन पर पड़ेगा। नतीजतन अगले कुछ माह तक सब्जियां महंगी रह सकती हैं। दिलचस्प है कि देश में लोकसभा चुनाव जारी हैं। औसतन हर सर्वेक्षण में बेरोजगारी के बाद महंगाई दूसरा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। मतदाता भी सडक़ों पर आंदोलित दिखाई दिए हैं। देश के औसत और कामगार तबके में, महंगाई के कारण, रोष भी दिखाई दिया है, लेकिन महंगाई चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया है। हालांकि इस साल अच्छी बारिश होने की संभावनाएं और अपेक्षाएं हैं। मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून को 'सामान्य से ऊपर' आंका है। यदि ऐसा हुआ, तो कृषि-उत्पादन बेहतर होगा और कीमतें नियंत्रण में रह सकेंगी। गैर-खाद्य वर्ग में मुद्रास्फीति कपड़ा, जूते, घरेलू वस्तुओं, सेवाएं, मनोरंजन आदि वर्गों के मातहत रहती है। खाद्य मुद्रास्फीति से जुड़ी अनिश्चितताओं का एमपीसी पर भारी प्रभाव पड़ता है। खाद्य मुद्रास्फीति कई महीनों से 8 फीसदी से ऊपर चल रही है। एमपीसी की पिछली बैठक के बाद रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की टिप्पणी थी-एमपीसी को हर दम चौकस और जागरूक रहना चाहिए, क्योंकि खाद्य कीमतों की अनिश्चितताएं चुनौती देती रहती हैं। बहरहाल विश्व के प्रमुख विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों ने दरों में कटौती आरंभ करनी है। हालांकि कुछ घटनाएं इस संभावना की ओर संकेत करती हैं कि इन देशों की नीतियों में विचलन हो सकता है। अमरीकी फेडरल रिजर्व की मार्च में हुई बैठक में पाया गया कि मुद्रास्फीति के मोर्चे पर प्रगति का अभाव है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 3.2 फीसदी से बढक़र 3.5 फीसदी हो गया। मंथन किया गया कि दरों में कटौती कब और कितनी करनी चाहिए। यह हमारे रिजर्व बैंक की एमपीसी की भी चिंता है। रिजर्व बैंक ने 2024-25 में 4.5 फीसदी मुद्रास्फीति का आकलन किया है, लेकिन खाद्य कीमतों में पर्याप्त अनिश्चितता रहेगी, एमपीसी ने यह अनुमान भी लगाया है। संभव है कि अर्थशास्त्र की यह भाषा पाठकों को समझ न आए अथवा कम समझ आए, लिहाजा हम स्पष्ट कर दें कि महंगाई काबू करने पर अभी कोई महत्वपूर्ण निर्णय सरकार या बैंक के विचाराधीन नहीं है। देश में सबसे अधिक मुद्रास्फीति का दौर इंदिरा गांधी की सरकार में रहा है। यूपीए सरकार के दौरान मुद्रास्फीति 12-14 फीसदी तक रही। औसत मुद्रास्फीति भी 7-8 फीसदी थी। महंगाई उस स्तर हो, जिसे आम आदमी भी वहन कर सके।

भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं

प्रवासी कामगारों से मजबूत होती अर्थव्यवस्था

ललित गर्ग

मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं।

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई 2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत विदेशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गौरवपूर्ण गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्त्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई है, जो 117 मिलियन तक पहुँच गई है, जो विस्थापन संकट को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है। भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि जैसे पेशेवरों का अनुपात बढ़ गया है। इनके वेतन ज्यादा होता है और वे बड़ी मात्रा में पैसा भारत भेजते हैं। इनके अलावा भारतीय कामगार भी बड़ी संख्या में विदेशों में अपने श्रम से धन अर्जित करके न केवल अपने परिवारों का पालन-पोषण करते हैं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। निश्चित रूप से

यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव एवं देशप्रेम को ही दर्शाता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दुनिया में भारतीय श्रम-शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल आर्थिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वार खोलती है, जिससे दुनिया में भारत की ताकत को नये पंख लगते हैं। भारतीय कामगारों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल के लिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब हैं जबकि राजनीतिक कारणों से भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश से आती है। प्रश्न है कि भारतीय कामगार एवं प्रतिभाएं जितनी बड़ी संख्या में विदेशों में जाकर अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभा का लोहा मनवा रही है, विदेशी प्रतिभाएं उतनी संख्या में भारत नहीं आ रही है। वोट बैंक बढ़ाने के लिये बांग्लादेश आदि पडौसी देशों से गरीब एवं मुसलमानों का बड़ी संख्या में देश में आना, यहां के विकास को अवरोध करता है। इस तरह के लोगों के आने से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वही उनका भारत के विकास में योगदान नगण्य है और उनका भारत से कोई मजबूत एवं आत्मीय रिश्ता भी कायम नहीं हो पाता है, यह एक समस्या के रूप में भारत के विकास को बाधित करता है। दुनिया में भारतीय श्रम एवं कौशल की बड़ी मांग है। क्योंकि भारतीय मजबूर मेहनती, ईमानदार एवं कार्यनिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भारी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के वास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इरादा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एग्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घट रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एग्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय वहां खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं। यूनान ने भारत से संपर्क किया है कि वह कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 10,000 कामगारों को उसके यहां भेजे। विदेशों से धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत, आत्मीय व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए और उनका समाधान किया जाये। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत अपने प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित देशों से रणनीतिक तरीकों से रास्ता निकालना चाहिए। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है।

दृष्टि कोण

फनी वीडियो इतने भी फनी नहीं; इंटरनेट से लोगों तक पहुंचाना कितना जायज

फेसबुक इंस्टाग्राम या यूट्यूब संगीत के बाद सबसे ज्यादा देखे जाने वाले वीडियो में दर्शकों की पसंद फनी (मजाकिया) वीडियो या प्रैंक वीडियो ही हैं। खाली वक्त में जब करने के लिए कुछ खास न हो और हाथ में मोबाइल हो, तो लोग अक्सर इन वीडियो की तलाश में रहते हैं। जब स्क्रॉल करते हुए कुछ रोचक दिख जाता है, वे उसे देखने लगते हैं। इंसान सदियों से एक-दूसरे के साथ मजाक करता आ रहा है। प्रैंक या मजाक ज्यादातर सांस्कृतिक मानकों द्वारा निर्धारित होते हैं, जिनमें टीवी, रेडियो और इंटरनेट द्वारा स्थापित मानक भी शामिल हैं। लेकिन जब सांस्कृतिक और व्यावसायिक मानक मजाक करते वक्त आपस में टकराते हैं और अगर उन्हें जनमाध्यमों का साथ मिल जाए, तो उसके परिणाम भयानक साबित हो सकते हैं। दिसंबर, 2012 में जैसिंथा सल्दान्हा नामक भारतीय मूल की एक ब्रिटिश नर्स ने एक प्रैंक कॉल के बाद आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद पूरी दुनिया में बहस चल पड़ी कि इस तरह का मजाक किसी के साथ करना और फिर उसे रेडियो टीवी या इंटरनेट के माध्यम से लोगों तक पहुंचा देना कितना जायज है? वर्ष 2012 में इंटरनेट इतने बहुआयामी माध्यमों के साथ हमसे नहीं जुड़ा था, लेकिन आज के हालात एकदम अलग हैं। आज हिट्स और क्लिक से पैसे कमाए जा सकते हैं। ऐसे में यह महत्वपूर्ण नहीं रह गया है कि क्या दिखाया जा रहा है, बस व्यूज मिलने चाहिए। ऐसे में भारत एक खतरनाक स्थिति में पहुंच रहा है, जिसमें प्रैंक वीडियो बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। दुनिया में ऑनलाइन प्रैंक वीडियो की शुरुआत यूटयूब और फेसबुक जैसी साइट्स के आने से बहुत पहले हो गई थी। वर्ष 2002 में इंटरेक्टिव फ्लैश वीडियो स्केयर प्रैंक के नाम से पूरे इंटरनेट पर फैल गया था। थॉमस हॉब्स उन पहले दार्शनिकों में थे, जिन्होंने यह माना कि मजाक के बहुत सारे कार्यों में से एक यह भी है कि लोग अपने स्वार्थ के लिए मजाक का इस्तेमाल सामाजिक शक्ति पदानुक्रम को अस्त-व्यस्त करने के लिए करते हैं। मजाक की श्रेष्ठता के सिद्धांतों को मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के बीच संघर्ष और शक्ति संबंधों के संबंध में

समझा जा सकता है। विद्वानों ने माना कि संस्कृतियों में मजाक का इस्तेमाल अक्सर 'हिंसा को सही ठहराने और मजाक के लक्ष्य को अमानवीय बनाने के लिए' किया जाता है। इन चर्चाओं के बीच इंटरनेट पर मजाक का शिकार हुए लोगों की चिंताएं गायब हैं। सबसे मुख्य बात सही और गलत के बीच का फर्क मिटना है। इंटरनेट जिस गति से देश में पैर पसार रहा है, उस गति से लोगों में डिजिटल साक्षरता नहीं आ रही है, इसीलिए निजता के अधिकार जैसी जरूरी बातें कभी विमर्श का मुद्दा नहीं बनतीं। किसी ने किसी से फोन पर बात की, अपना मजाक उड़वाया, यह मामला यहां तक तो व्यक्तिगत है। लेकिन वही वार्तालाप अगर इंटरनेट के माध्यम से सार्वजनिक हो जाए, तो जिस कंपनी के सौजन्य से यह सब हुआ, उसे हिट्स, लाइक और पैसे मिले, लेकिन जिस व्यक्ति के कारण यह सब हुआ, उसे क्या मिला? यह सवाल अक्सर पूछा नहीं जाता। ऐसे सैकड़ों ऐप हैं, जिन्हें डाउनलोड करके आप मजाकिया वीडियो देख सकते हैं और ये वीडियो आम लोगों ने ही अचानक बना दिए हैं। कोई व्यक्ति मेन होल में गिर जाता है और उसका मजाकिया वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो जाता है और फिर अनंतकाल तक के लिए सुरक्षित भी हो जाता है। हमने उस वीडियो को देखकर खूब हंसते हैं, पर कभी उस परिस्थिति में खुद को रखकर नहीं सोचते। इंटरनेट ने निहायत निजी चीजों को सार्वजनिक कर दिया है। ये निजी चीजें जब चारों ओर बिखरी हों, तो हम उन असामान्य परिस्थिति में घटी घटनाओं को भी सार्वजनिक जीवन का हिस्सा मान लेते हैं, जिससे एक परपीड़क समाज का जन्म होता है। यही कारण है कि कोई दुर्घटना होने पर लोग मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में लग जाते हैं। मजाकिया और प्रैंक वीडियो पर कहकहे लगाइए, लेकिन जब उन्हें इंटरनेट पर डालना हो, तो क्या डाला जाए और क्या नहीं, इस पर जरूर विचार करें। यह फैसला कोई सरकार नहीं करेगी, हमें ही करना है।

कुछ अलग

सुरक्षा मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाएं

बैजनाथ की छोटा भंगाल घाटी के चहरना लम्बाडग गांव में केयू हाइड्रो कंपनी के 25 मेगावाट के हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में पिछले शुक्रवार को परियोजना का पेनस्टोक फट जाने और हेड रेस टनल (एचआरटी) में रिसाव से मुल्थान बाजार में हुई तबाही को प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है और घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय तकनीकी कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी टनल के डिजाइन के अलावा उपकरणों की मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जांच कर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। केयू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट की सुरंग के अंदर पाइप से पानी का रिसाव होने से बाढ़ और भूस्खलन जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाने से स्थानीय नागरिकों को होटलों में ठहराया गया है। केयू हाइड्रो कंपनी प्रबंधन ही मलबे में तबदील हो चुके मुल्थान गांव के प्रभावितों के नुकसान की सारी भरपाई करेगा। हिमाचल प्रदेश अपने पनबिजली संसाधनों में बेहद समृद्ध है। भारत की कुल क्षमता का लगभग पच्चीस प्रतिशत इसी राज्य में है। अनुमानतः प्रदेश की पांच बारहमासी नदियों पर विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण से राज्य में लगभग 27436 मेगावाट पनबिजली पैदा हो सकती है। राज्य की कुल पनबिजली क्षमता में से, 10519 मेगावाट का दोहन अभी भी किया जा रहा है, जिसमें से केवल 7.6 प्रतिशत हिमाचल प्रदेश सरकार के नियंत्रण में है, जबकि शेष क्षमता का दोहन केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। चूंकि हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में जलविद्युत परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं, तो सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं से बचाव को प्राथमिकता में रखना अनिवार्य हो जाता है। बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के निर्देशों के अनुसार बांध के सुरक्षित निर्माण, संचालन, रखरखाव और पर्यवेक्षण के लिए बांध मालिक जिम्मेदार होंगे और मानसून के मौसम से पहले और बाद में और प्रत्येक भूकंप, बाढ़, आपदा या संकट के किसी भी संकेत के दौरान और उसके बाद एक आपातकालीन कार्य योजना तैयार करनी होगी, निर्दिष्ट नियमित अंतराल पर जोखिम मूल्यांकन अध्ययन करना होगा और विशेषज्ञों के एक पैनल के माध्यम से एक व्यापक बांध सुरक्षा मूल्यांकन तैयार करना शामिल रहेगा। लापरवाही पाए जाने पर बांध परियोजना मालिकों के लिए अपराध और दंड का प्रावधान भी किया गया है। मई 2019 में भी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में 100 मेगावाट की सैंज जलविद्युत परियोजना के बांध में आई भारी दरारों के कारण गंभीर रिसाव के बाद अपना संचालन बंद करना पड़ा था। इस तरह की दुर्घटनाएं कोई नई बात नहीं है, लेकिन सवाल यह उठता है कि सुरक्षा मानकों पर नजर रखने वाली संबंधित एजेंसियों ने क्या किया? मीडिया रिपोर्टें बताती हैं कि पिछले सात वर्षों में लापरवाही के कारण दुर्घटनाओं के 16 मामले दर्ज किए गए हैं जिससे जान-माल को भारी नुकसान हुआ है। पहाड़ों में बड़ी संख्या में बन रहीं सुरंगें चाहे वे जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़ी हों अथवा फोरलेनिंग से वहां भूस्खलन और प्राकृतिक हादसों से संपत्ति और जानमाल को खतरा बढ़ता जा रहा है। हिमाचल की जलविद्युत नीति 2006 में बनाई गई थी। अब हिमाचल प्रदेश 17 वर्षों के बाद हाइड्रो, बायोमास और सौर ऊर्जा विकास के क्षेत्र में नई चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपनी जल विद्युत नीति में बदलाव करने जा रहा है। हिमालय का पर्यावरण और भूकंपीय गतिविधि क्षेत्र इसकी नदी घाटियों को भूस्खलन हेतु प्रवण बनाती है। चूंकि जलविद्युत परियोजनाओं में वृद्धि देखी जा रही है, लिहाजा जिला कांगड़ा के उपमंडल बैजनाथ की मुल्थान तहसील में लंबाडग पनविद्युत परियोजना के पेनस्टोक के फटने की वजह से आई तबाही निर्माणाधीन और परिचालन परियोजनाओं में सुरक्षा निगरानी और जवाबदेही में भूमिका की ओर इशारा करती है और भविष्य के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को लागू करने की ताकीद करती है।

देश दुनीया से

पीओके के हाथ से निकल जाने के डर से सहमा पाकिस्तान

जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं। दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है। पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी। भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है।

आप का नजरीया

चुनाव का सबसे बड़ा युद्ध

हिमाचल का सबसे बड़ा चुनाव (उपचुनाव) धर्मशाला में प्रदेश की सियासत से मुखातिब है। यह भौगोलिक अपेक्षाओं, हिमाचल के पुनर्गठन, ऊपरी-निचले हिमाचल के संतुलन, विकास के मॉडल, नए नेतृत्व की डगर और कांगड़ा के भंवर पर खड़ा पुकार रहा है। विडंबना यह है कि करीब डेढ़ साल बाद ही सुक्खू सरकार को धर्मशाला के मंच पर अपना पक्ष, सफाई और वचनबद्धता को प्रमाणित करने की चुनौती मिली है। ऐसे में मंगलवार के दिन नामांकन पत्र पेश नहीं हुए, बल्कि सियासत का स्रोत, मतदाता का होश और नेताओं का कोष भी देखा गया। जाहिर तौर पर यहां सुधीर शर्मा का मुकाबला, देवेंद्र सिंह जग्गी से नहीं, बल्कि सीधे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के निजाम से है, इसलिए चुनाव में तिनके तिनके बटोरे जा रहे हैं। प्रदेश की सबसे बड़ी बिसात पर सत्ता की इज्जत का सवाल इसलिए भी है क्योंकि कांग्रेस से छीना गया साम्राज्य, इसी दुर्ग की कैद में है। अगर सुक्खू अपने दल-बल के साथ चढ़ाई करके सुधीर शर्मा को परास्त करते हैं, तो सारे जख्म मिट जाएंगे वरना प्रतिकूल परिणाम की आंच राजनीति के जाने कौनसे अध्याय लिखेगी। नामांकन पत्र दाखिल करके भाजपा ने अनुराग ठाकुर की विरासत में सुधीर शर्मा का घोंसला बनाया है, तो सरकार ने जग्गी पर अपना चेहरा लगाया है। हिमाचल की राजनीति पुनः शांता कुमार के दौर में लौट कर ज्वालामुखी कांड को याद कर रही है। तब प्रेम कुमार धूमल का पक्ष और उनके पैरोकार सामने आए थे। अब धर्मशाला में सुधीर बनाम सुक्खू के बीच यह उपचुनाव तय करेगा कि हिमाचल की अगली सियासत में किसका दांव भारी पड़ेगा। यह खेल इतना भी आसान नहीं कि आसान सी शब्दावली पर लड़ा जाए। अब न सुधीर बागी और न ही सरगना रहा, वह अपने अस्तित्व की मचान पर अपने दौर के विकास पर लड़ रहा है। इसीलिए सुधीर शर्मा की नुक्कड़ बैठकों में बतौर विधायक एवं उसके मंत्रित्व काल का विकास योद्धा बनकर उभर रहा है। सुधीर शर्मा के पास महज तर्क नहीं, विकास के अध्याय और विजन की चौपाटी है। नुक्कड़ सभाओं तक कंक्रीट के रोड, हैंडपंपों का पानी, खेल के मैदान ही नहीं, स्मार्ट सिटी का पैगाम भी पहुंच रहा है। धर्मशाला अपने रोपवे से विधानसभा के इस रोचक चुनाव को देख रहा है, तो कहीं उन मील पत्थरों को भी निहार रहा है, जहां जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की उदास आंखों में तीस करोड़ का भुगतान या चैतड़ू आईटी पार्क के रुके हुए अरमान दिखाई दे रहे हैं। धर्मशाला स्वाभाविक रूप से हर सरकार के दौर का मुआयना है और उन सियासी परंपराओं का अनुसरण भी जो वीरभद्र सिंह की हर पारी को यहां पहुंचाती रही। ठाकुर राम लाल के मंत्रिमंडल की बैठक से शुरू हुआ यह सफर शीतकालीन राजधानी तक पहुंचा। भले ही धूमल सरकार ने धर्मशाला में हिमाचल भवन का नामोनिशान मिटाया, लेकिन अपने कार्यकाल में मुख्यमंत्री सचिवालय बनवा कर मंत्रियों को धर्मशाला में बैठाया। प्रेम कुमार धूमल ने भले ही आरंभिक तौर पर कांगड़ा के विभाजन से सत्ता के केंद्र में जिला के पालमपुर, देहरा व नूरपुर की नेतागिरी को आगे बढ़ाया, लेकिन उस वक्त के शिखर पर रहे रविंद्र सिंह रवि का चमत्कार अस्त हो गया। कमोबेश वर्तमान सरकार में भी जिला के कद्दावर नेता सुधीर शर्मा की उपेक्षा में बंटे कैबिनेट रैंक केवल चुगलखोरी में तबदील हो चुके हैं।

लोस चुनाव : लोगों से मिल रहे प्यार का मेरा रोम-रोम कर्जदार : सनातन पांडेय

बलिया (हिंस)। लोकसभा क्षेत्र बलिया के सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय ने गुरुवार को संपर्क अभियान के दौरान बलिया नगर फेफना, मोहम्मदाबाद व जहूराबाद विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान वे भावुक भी हुए। इंडी गठबंधन के उम्मीदवार सनातन पांडेय ने बड़े भावुक होते हुए कहा कि लोकसभा क्षेत्र के लोगों ने जिस तरह मेरे चुनाव को अपना व्यक्तिगत चुनाव मानकर एक-एक मतदाताओं को जोड़ने का काम किया है, यह मेरे रोम-रोम पर कर्ज है। इसे चुकाने के लिए मेरा एक-एक पल बलिया लोकसभा को समर्पित रहेगा। मेरे दरवाजे सभी के लिए 24 घंटे खुले रहेंगे। जनसंवाद के दौरान सनातन पांडे ने लोगों से एक जून को अधिक से अधिक संख्या में मतदान में भाग लेने का अपील करते हुए कहा कि चुनाव भारत की लोकतंत्र की रक्षा का चुनाव है। संविधान में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रदत्त अधिकारों की रक्षा का चुनाव है।

राजद और कांग्रेस वाले ही हिंदू मुस्लिम में झगड़ा कराते है : नीतीश

पूर्वी चंपारण (हिंस)। पश्चिमी चंपारण लोकसभा के एनडीए प्रत्याशी डा.संजय जयसवाल के समर्थन में रक्सौल के भेलाही स्थित नथुनी दुर्गा हाई स्कूल के मैदान में गुरुवार को एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस और राजद की तीखी आलोचना करते कहा कि हिंदू मुस्लिम के झगड़े यही लोग कराते थे। हमने कब्रिस्तान की घेराबंदी कराई। राज्य में महिलाओं को पंचायत में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। अनुसूचित जाति, जन जाति और अति पिछड़ों को 65 प्रतिशत, और गरीब सवर्ण को 10 प्रतिशत यानी 75 प्रतिशत आरक्षण दिया। जातीय जनगणना हमने कराया। आर्थिक जनगणना भी कराई। जिसमें पता लगा कि 95 लाख परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब है। उन्हे मदद दी जाएगी। उन्होंने ऐलान किया कि बिहार के प्रत्येक गरीब परिवार को दो लाख रुपए मिलेंगे। सभी पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनेगा। हम काम करने वाले हैं। आगे भी काम करेंगे। हमने बीच मे दो बार गलती किया है। इधर उधर चले गए। आश्वस्त करने आए हैं कि अब कहीं नही जाएगे। दूसरी बार जब गए तो ई सब गड़बड़ करने लगा। चुनाव बाद सबका जांच कराएंगे। उन्होंने लालू परिवार पर निशाना साधते कहा कि 9/9गो बाल बच्चा पैदा किया। बेटा बेटी को ई ऊ बनाता रहता है। ऊ सब अंट संट बोलते रहता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए तो पूरा बिहार एक परिवार है। एनडीए ने ही बिहार का विकास किया है। उन्होंने कहा कि याद कीजिए 2005 से पहले राज्य में कैसी स्थिति थी.. कोई घर से निकल पाता था? कोई काम हुआ था? हमने करके दिखाया। यह कहने नही, महसूस करने की बात है। उन्होंने कहा कि आप सब गड़बड़ लोगों के चक्कर में मत आइए.. एनडीए को फिर से लाइए। उन्होंने डॉ. संजय जायसवाल को विजयी बनाने की अपील करते हुए उपस्थित लोगों से हाथ उठा कर वोट देने के लिए आश्वस्त कराया। कहा कि देश पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ही आगे बढ़ेगा। देश में तीसरी बार एनडीए की ही सरकार बनेगी। बिहार में हम 40 में 40 सीट जीतेंगे। सभा को बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी, कृष्ण नंदन पासवान, राज्य सभा सदस्य संजय झा, सांसद सह भाजपा प्रत्याशी डॉ. संजय जायसवाल सहित अन्य ने भी संबोधित किया।

मध्याह्न भोजन में गड़बड़ी होने पर बच्चे और अभिभावकों ने किया हंगामा

भागलपुर (हिंस)। जिले के सुलतानगंज प्रखंड के कटहरा पंचायत के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कटहरा में गुरुवार को मध्याह्न भोजन में गड़बड़ी होने पर स्कूल के बच्चे और अभिभावकों ने जमकर बवाल काटा। इस दौरान कटहरा पंचायत के उपमुखिया सीता देवी ने बताया कि स्कूल में कुल 101 बच्चे हैं। यहां वर्ग एक से पांच तक की पढ़ाई होती है। स्कूल के प्रधानाध्यापक विंदेश्वरी कुमार घोष के द्वारा मध्याह्न भोजन में गड़बड़ी किया जा रहा है। पानी वाले और सब्जी भी सही नहीं दिया जाता है। बच्चों को अंडा भी नहीं दिया जाता है। स्कूल के बच्चे भोजन खाकर बीमार हो रहें हैं। उधर स्कूल के प्रधानाध्यापक विंदेश्वरी कुमार घोष स्कूल छोड़कर फरार हो गए। स्कूल के शिक्षक एवं रसोईया ने बताया कि प्रधानाध्यापक विंदेश्वरी कुमार घोष के द्वारा जो राशन का सामान दिया गया है। उसी के अनुसार खाना बनाया जाता है। वहीं प्रधानाध्यापक विंदेश्वरी कुमार महतो ने फोन पर बताया कि रसोईया को राशन का समान देकर स्कूल के काम से बीआरसी आ गए। स्कूल में बच्चे अधिक आने पर दाल में पानी मिलाया गया है। आगे से ऐसा नहीं होगा। रसोईया को ही राशन का समान का भार दे दिया जाएगा।

सत्ता की ललक में लालू यादव पिछड़ों की विरोधी कांग्रेस की गोद में बैठ गए : शाह

पटना (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लालू यादव पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि लालू प्रसाद यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं लेकिन सत्ता की इतनी भी क्या ललक है कि पिछड़ों की विरोधी कांग्रेस की गोद में बैठ गए। बिहार का भला तेल पिलावन लठिया घुमावन से नहीं होगा। उसके लिए केंद्र की मोदी सरकार को मजबूत करें, जिसने बिहार के युवा को लाठी की जगह मोबाइल फोन थमाया है। अमित शाह गुरुवार को बिहार के सीतामढ़ी लोकसभा क्षेत्र से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) उम्मीदवार देवेश चंद्र ठाकुर से पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नरेंद्र मोदी को देश का पहला प्रधानमंत्री बताया, जो अति पिछड़े वर्ग से आते हैं। आरक्षण को लेकर किए गए उनके कार्यों को भी अमित शाह ने गिनाया। उन्होंने कहा कि सीतामढ़ी को रामायण सर्किट से भी नरेंद्र मोदी ही जोड़ेंगे। गृह मंत्री ने पीओके के मुद्दे पर सख्त तेवर दिखाए और कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर हमारा था। हमारा है और हमारा ही रहेगा। हम उसे हर हाल में लेकर रहेंगे। अमित शाह ने जदयू उम्मीदवारों को वोट देकर नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। सीतामढ़ी शहर स्थित गोयनका कॉलेज मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने फारूक अब्दुल्ला से लेकर राहुल गांधी और लालू यादव से लेकर उनके बेटे तक को निशाने पर लिया।

जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मनाया गया विश्व डेंगू दिवस

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के सदर अस्पताल स्थित जीएनएम हॉस्टल परिसर, सदर स्वास्थ्य केंद्र सहित जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा गुरुवार को विश्व डेंगू दिवस मनाया गया। इस संबंध में जिले के डीभीडीसीओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि आशा, नर्स, वीबीडीएस व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से बैनर, पोस्टर, लीफलेट के साथ लोगों को डेंगू से बचाव की जानकारी दी गईं। वीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते है, इसलिए घरों के आसपास पानी जमा होने दें, किटनाशक का छिड़काव करें, रात को सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। डेंगू का जांच व इलाज सभी सरकारी पीएचसी में उपलब्ध है। वैसे व्यक्ति दुबारा डेंगू बुखार की शंका होने पर तुरंत ही सरकारी अस्पताल चिकित्सक से संपर्क करें, सरकारी अस्पतालों में है उपचार व जांच हेतु किट नि:शुल्क उपलब्ध है।

कमल पर बटन दबाकर मोदी को करें मजबूत : डॉ. मोहन यादव

हजारीबाग (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को झारखंड की हजारीबाग लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार मनीष जायसवाल के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने लोगों से मतदान वाले दिन कमल का बटन दबाकर यहां से मनीष जायसवाल को जिताने और नरेंद्र मोदी को मजबूत करने की अपील की। हजारीबाग जिले के बरही में स्थित पंचमाधव आश्रम फुटबॉल मैदान में आयोजित इस जनसभा में डॉ. यादव ने कहा कि हजारीबाग भगवान बिरसा मुंडा की धरती है। यहां सारे बंधन तोड़कर आने की इच्छा होती है। उन्होंने मौजूदा झारखंड सरकार की तुलना हेलीकॉप्टर से की। उन्होंने कहा कि जिस तरह हेलीकॉप्टर जब ऊंचाई पर उड़ता है तो सबको अच्छा लगता है लेकिन जब वो नीचे उतरता है तो काफी धूल-मिट्टी और गंदगी उड़ती है, जिससे आंखे बंद हो जाती हैं। आप सबने जिनको वोट देकर अपने सूबे का मुख्यमंत्री बनाया, सरकार में मंत्री बनाया वो हेलीकॉप्टर में सुंदर लग रहे थे लेकिन वो आपकी आंखों में धूल झोंक रहे थे। वो आपकी आंखों के सामने आपका माल लूटकर ले जा रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता ने बड़े अरमानों से अपना एक-एक वोट देकर जिसकी सरकार बनाई, आज उसके मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सलाखों के पीछे हैं। जब राज्य का मुखिया और उसके मंत्री इतने भ्रष्ट होंगे तो राज्य का विकास कैसे संभव है। झारखंड राज्य खनिज सम्पदाओं से भरा पड़ा है लेकिन राज्य के सिंहासन पर बैठे भ्रष्ट लोग राज्य को लूटने में लगे हैं। राज्य में पिछड़ापन आज भी बरकरार है। डॉ. यादव ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी आज नहीं है लेकिन राज्य के अलग होने में उनकी महती भूमिका रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नारे को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारा दिया था कि ना खाऊंगा और ना खाने दूंगा। आज इसी का नतीजा है कि राज्य के मुखिया और मंत्री जेल में बंद है। 2019 में कुछ दलों ने गठबंधन कर सरकार बनाई लेकिन उनका सरकार बनाने का मकसद राज्य की खनिज सम्पदाओं को लूटना था। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश धर्म के मार्ग पर चल रहा है। अयोध्या में जब रामलला को स्थापित किया गया, तब कांग्रेस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उस याचिका में कांग्रेस ने कहा कि उसे पता नहीं कि भगवान श्रीराम का जन्म कहां हुआ था। अब ऐसे लोगों को अपना वोट देने का क्या औचित्य है। कांग्रेस पर तंज कसते हुए मप्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की पांच पीढ़ी ने दिल्ली में जन्म लिया लेकिन आज तक दिल्ली से चुनाव लड़ने की हिमाकत नहीं किए परन्तु 56 इंच सीना वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के बाद जब लोकसभा चुनाव लड़ने की बात आई तो उन्होंने काशी विश्वनाथ को चुना और उप्र से चुनाव लड़कर समाजवादी पार्टी को परास्त करने का काम किया। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वह वायनाड से चुनाव हारने की सूचना मिलते ही दूसरे लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश की आजादी से पहले अंग्रेजों ने लूटा और अब जहां-जहां कांग्रेस समर्थित सरकार है, वहां लूटने का काम चल रहा है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने हजारीबाग लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के समर्थन में वोट की अपील की। महतो ने कांग्रेस प्रत्याशी जेपी पटेल पर दल बदल का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कॉमेडियन श्याम रंगीला ने भरा था पर्चा, खारिज

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने का सपना संजोये मिमिक्री कलाकार श्याम रंगीला का पर्चा जांच के बाद खारिज कर दिया गया। इसको लेकर कॉमेडियन श्याम रंगीला मायूस है। पर्चा खारिज होने के बाद श्याम रंगीला ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अपनी भावनाओं का इजहार किया। उन्होंने लिखा कि वाराणसी से नहीं लड़ने देंगे ये तय था, अब साफ हो गया। दिल ज़रूर टूट गया है, हौंसला नहीं टूटा है। आप सबके सहयोग के लिए शुक्रिया। मीडिया और शुभचिंतकों से निवेदन है कृपया अभी कॉल ना करें, जो भी सूचना होगी यहां देता रहूँगा, शायद अब थोड़ी देर बातचीत करने की इच्छा नहीं है। गौरतलब हो कि श्याम रंगीला ने वाराणसी संसदीय सीट से नामांकन प्रक्रिया के अन्तिम दिन 14 मई को अपना नामांकन दाखिल किया था। वाराणसी कलेक्ट्रेट सभागार में बीते बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच सुबह 11 बजे से शुरू हुई व देर रात दस बजे तक चली। जिसमें श्याम रंगीला सहित 33 प्रत्याशियों का नामांकन पत्र जांच में खारिज कर दिया गया। इनमें भाजपा के पूर्व विधायक सुरेन्द्र नारायण सिंह, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की पत्नी रीना राय का पर्चा भी शामिल है। नामांकन भरने वाले 41 प्रत्याशियों में से कुल 08 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाये गए। इनमें प्रधानमंत्री व भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र मोदी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व आइएनडीआइए प्रत्याशी अजय राय, बसपा के प्रत्याशी अतहर जमाल लारी, अपना दल कमेरावादी से गगन प्रकाश, राष्ट्रीय समाजवादी जन क्रांति पार्टी के पारस नाथ केशरी, युग तुलसी पार्टी से कोली शेट्टी शिवकुमार, निर्दल संजय कुमार तिवारी तथा दिनेश कुमार यादव शामिल हैं।

सपा-कांग्रेस का गठबंधन जब हुआ, महामारी का कारण बना : सीएम योगी

कौशांबी (हिंस)। लोकसभा सीट कौशांबी में भाजपा उम्मीदवार विनोद सोनकर के समर्थन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने तीन चरण के चुनाव का रुझान सामने रखकर देश के अंदर एक बार फिर मोदी सरकार का नारा देकर अपने भाषण की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने 10 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में कायाकल्प किए जाने की बात कही। 10 साल पहले के भारत की तस्वीर सामने रखकर उन्होंने कहा कि गरीबी भूख से आम आदमी मरता था। किसान आत्महत्या करते थे। युवक पलायन कर रहे थे। बेटी, व्यापारी, सुरक्षित नहीं थे। जगह-जगह विस्फोट होते थे। देश में पहचान का संकट था, लेकिन अब भारत बदल गया है। देश का सम्मान पूरा विश्व करता है। पीएम मोदी के भारत की तस्वीर सामने रखते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व कुशलता को बताते हुए उन्होंने कहा कि अब भारत में कोई पटाखा भी फूटता है, तो पाकिस्तान सफाई देता है कि हम नहीं है। हम किसी को छेड़ते नहीं और कोई छेड़ता है तो छोड़ते नहीं, की बात कह कर देश में विकास कार्यों का परिदृश्य मुख्यमंत्री ने जनसभा में बैठे लोगों के सामने रखा। लखनऊ में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वह फ्री राशन देने की बात करते हैं। जब उनकी सरकार थी, तो गरीब भूख से मर रहे थे। सत्ता थी तो माफिया के करीब थे, उनकी जबान सिली हुई थी, लेकिन अब माफिया मुक्त यूपी हुआ है। साल 2024 के आम चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सपा कांग्रेस का गठबंधन अब वापस सत्ता में नहीं आने वाला। इसके बाद के होने वाले चुनाव में जनता इनका नाम भूल जाएगी। यह चुनाव लड़ने के काबिल ही नहीं रहेंगे। पिछले दिनों भरवारी में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट का जिक्र कर सीएम योगी ने कहा कि सांसद विनोद सोनकर ने उन्हें फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से घायलों व मृत्यु को आर्थिक सहायता मुहैया कराई। कौशांबी की ऐतिहासिकता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने महात्मा बुद्ध, जैन तीर्थंकर महावीर, मां शीतला, गंगा जमुना का आशीर्वाद यहां की जनता को मिलने की बात कही। विपक्षी दल सपा पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि सपा का मतलब संस्कार से सम्बंध न होना। वह बड़ों का लिहाज नहीं करते, उल्टा आचरण करते हैं। जैसे राम भक्त पर गोलियां चलवाना, देशद्रोहियों के मुकदमे वापस लेना। प्रयागराज व गाजीपुर के माफिया का जिक्र कर उन्होंने जनता का ध्यान अपनी तरफ खींचने की कोशिश की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि माफिया से अनुसूचित जाति ही नहीं, ब्राह्मण, पिछड़ा वर्ग के लोग भी शिकार हुए। जिसको उन्होंने मिट्टी में मिला दिया। उनके द्वारा कब्जा की गई भूमि को मुक्त कराकर गरीबों में बांटा गया। कांग्रेस सरकार का जिक्र करते हुए उन्होंने रंगनाथ कमेटी का हवाला देकर पटेल, मौर्य जैसी पिछड़ी जातियों के आरक्षण में 6 फीसदी कटौती कर मुसलमान को आरक्षण देने की बात कही। जिसका भारतीय जनता पार्टी ने विरोध किया। कामयाब न होने पर सच्चर कमेटी बनाकर अनुसूचित जाति का अधिकार हड़पने के लिए मुस्लिम की कुछ जातियों को अनुसूचित का दर्जा देने की कोशिश हुई। सांसद व प्रत्याशी विनोद सोनकर का जिक्र कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर का नेता बताया। सीएम योगी के मुताबिक, वह त्रिपुरा, गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, उड़ीसा, हिमाचल में जहां भी गए। उन्हें विनोद कुमार सोनकर कार्यकर्ताओं के बीच अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व करते हुए खड़े मिले। सीएम ने भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर के उसे वायरल वीडियो का भी जिक्र किया। जिसमें वह जमीन की सौदेबाजी करते हुए टिप्पणी करते दिखाई पड़ रहे।

जैन धर्म व सनातन धर्म की तीर्थ यात्रा का अनूठा संगम

उदयपुर (हिंस)। सामाजिक संस्था श्री महावीर युवा मंच संस्थान उदयपुर द्वारा 18 मई को सकल जैन समाज की स्पेशल वातानुकुलित ट्रेन उदयपुर से 1008 यात्रियों को लेकर प्रात: 6 बजे उदयपुर सिटी स्टेशन से अयोध्या, काशी विश्वनाथ, श्री सम्मेद शिखर एवं उज्जैन महाकाल कोरिडोर के लिए रवाना होगी। इस संबंध में गुरुवार को पत्रकार वार्ता में संस्था के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत ने बताया कि यात्रा की तैयारियां पूर्ण कर ली गई। यात्रा में संघपति के रूप में शहर विधायक ताराचंद जैन तथा सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत व सम्मेद शिखर में तीन दिन आसाम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया यात्रा में शामिल होगे। इसमें यात्रा मुख्य संयोजक संजय भण्डारी व सह संयोजक श्याम नागौरी, सुधीर चित्तौड़ा, मनीष गलूंडिया, राजकुमार गन्ना, भूपेन्द्र गजावत के नेतृत्व में भिन्न -भिन्न समितियां तैयारियों का अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। इस हेतु सभी कोचों के नाम जैन धर्म तीर्थंकर परम्परा के अनुरूप दिए गए है। यात्रियों की सुविधा के लिए सभी को कोच एवं सीटों का आंवटन तथा अयोध्या, सम्मेद शिखर व उज्जैन में आवास व्यवस्था का आवंटन का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। यात्रा मुख्य संयोजक संजय भण्डारी ने बताया कि सभी कोचों का नांमाकरण किया गया है जिसे पार्श्वनाथ कोच, शांतिनाथ कोच, नेमिनाथ कोच, आदेश्वर कोच, धर्मनाथ कोच, कुंथुनाथ कोच, अनन्तनाथ कोच, वासुपूज्य कोच, अभिनन्दन कोच, अजितनाथ कोच, चंद्रप्रभु कोच, महावीर कोच व संभवनाथ कोच के रूप में जाना जाएगा। प्रत्येक कोच पर तीन-तीन प्रभारी बनाए गए है जो अपने-अपने कोच के यात्रियों की सम्पूर्ण व्यवस्था का दायित्व निभाएंगे। साथ ही सभी यात्रियों के ठहरने के लिए सभी स्थानों पर एसी रूम आरक्षित किए है। जिसमें अधिकतम तीन या चार यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था होगी।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत

भागलपुर (हिंस)। जिले के बाखरपुर थाना क्षेत्र बाबूपुर पंचायत निवासी 29 वर्षीय कैलाश यादव के पुत्र पिंटू यादव की मौत गुरुवार को आकाशीय बिजली की चपेटे में आने से हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बाबूपुर के भाजपा युवा नेता मो गुलजार ने बखारपुर थाना को सूचित करते हुए संबंधित विभाग को भी घटना की सूचना दी। मो गुलजार ने बताया कि पिंटू यादव गाय चराने के लिए खेत गए हुए थे। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। मृतक पिंटू यादव को एक बेटा और एक बेटी है। उधर घटना के बाद से मृतक के परिजन का रो रो कर बुरा हाल है।

बाबा विश्वनाथ के नव्य और भव्य धाम का विदेशों में भी आकर्षण, 139 देशों के भक्तों ने लगाई हाजिरी

वाराणसी (हिंस)। काशी नगरी हमेशा से विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति को जानने की जिज्ञासा विदेशी पर्यटकों को सात समुद्र पार से काशी खींच लाती है। नव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारित होने के बाद धाम का आकर्षण विदेशों में भी बढ़ रहा है। जिसका नतीजा है कि दरबार में आने वाले विदेशी भक्तों की संख्या बढ़ गई है। बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने पिछले दो सालों में हाजिरी लगाई है। काशी को इतिहास से भी प्राचीन लिविंग सिटी का दर्जा प्राप्त है। यूरोपियन लेखक और साहित्यकार मार्क ट्वेन ने काशी की कथाओं और आध्यात्मिक परंपरा पर मंत्रमुग्ध होकर लिखा है कि बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपरा से भी पुराना है, किंवदंतियों से भी पुराना है और इन सभी को जोड़कर तुलना करें तो इनकी संयुक्त आयु से भी दोगुना पुराना होने की प्रतीति देता है। धरोहरों और विरासत को सदियों से संजो कर रखने वाली काशी ने विशिष्ट संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखा है। विदेशी सैलानियों को काशी का यही कौतूहल खींच कर लाता है। विदेशी सैलानियों में एक बड़ी संख्या में सैलानी श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन करने भी आते हैं। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि धाम के लोकार्पण के बाद लगभग 25 महीनों में बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने हाजिरी लगाई है। वहीं, यदि संख्यात्मक आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2023 में केवल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में ही चार गुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अनेक गैर सनातन मतावलंबी काशी आते हैं, परंतु मंदिर में दर्शन नहीं करने जाते। अत: श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सीईओ द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में ऐसे सैलानियों की गिनती इस संख्या में सम्मिलित नहीं है। इसी प्रकार बड़ी संख्या में सारनाथ होते हुए बौद्ध परिपथ के विदेशी पर्यटक भी इस संख्या में सम्मिलित नहीं हैं। तंत्र, शाक्त, क्रिया योग, जैन, अघोरपंथ के बड़े आश्रमों एवं साधना स्थलों पर सीधे पहुंचने वाले इन विद्याओं के विदेशी साधक भी इस आंकड़े में सम्मिलित नहीं हैं। काशी की दुनिया से अच्छी कनेक्टिविटी, सुरक्षा, मूलभूत ढांचा में सुधार से बड़ी सुविधाओं ने काशी में पर्यटकों का रुझान और बड़ा दिया है। विदेशी सैलानी काशी के मंदिरों, धरोहर और संस्कृति को देखने ही नहीं आते बल्कि काशी को जीने भी आते हैं। विदेशी पर्यटक हिंदी, संस्कृत, संगीत और मंत्रों को सीखने के लिए काशी में कई दिनों तक रहते भी हैं।

चार सौ पार सीट पाकर भाजपा आरक्षण खत्म करना चाहती है : केजरीवाल

लखनऊ (हिंस)। दिल्ली के तिहाड़ जेल से अंतरिम जमानत पर आम चुनाव के प्रचार के लिए छूटे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। वह आम चुनाव में इंडी गठबंधन के लिए प्रचार कर रहे हैं। केजरीवाल ने आरक्षण पर कहा कि भाजपा को चार सौ पार सीटें क्यों चाहिए। इसका जवाब है कि 405 सीटों से ये आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन का आयोजन सपा मुख्यालय में किया गया। इंडी गठबंधन के नेता अखिलेश और केजरीवाल का यह पहला संयुक्त संवाददाता सम्मेलन है।

सैकड़ों देशी-विदेशी पक्षियों के बर्ड हाउस के साथ आज भी कायम है फन वर्ल्ड का समर जलवा

बीकानेर (हिंस)। संभाग मुख्यालय बीकानेर की तपती गर्मी में अगर कोई वर्षों से राहत का आशियाना बना हुआ है तो वह है बीकानेर से 10 किलोमीटर की दूरी पर नाल गांव स्थापित फन वर्ल्ड वाटर पार्क। फन वर्ल्ड को स्थापित हुए लगभग 30 वर्ष होने के आये है और लगातार बीकानेर के बच्चों के साथ पूरे परिवारजनों, पर्यटकों के लिए एन्टरटेनमेंट का ठीकाना बना हुआ है। बीकानेर में मार्च से लेकर सितंबर तक कम से कम एक बार फन वर्ल्ड ना जाए तो परिवार की पिकनीक कैलेंडर और एन्टरटेनमेंट का कोटा पूरा नही होता है। तो इस बार फिर गर्मियां में फन वर्ल्ड के प्रमोटर नेमीचंद गहलोत तैयार है कुछ नये झूलों, नये पक्षियों और कम रेट में फुल एन्टरटेनमेंट के अपने स्थाई वादे के साथ। बीकानेर से नाल रेल्वे ओवर ब्रिज के समीप स्थापित फन वर्ल्ड वाटर पार्क में जहां छोटे बच्चों के लिए छोटे छोट 20 तरह के झूले, राइड और छोटा स्वीमिंग पूल है तो महिलाओं के लिए भी आकर्षक झूलों वाली राइड, ट्रेन राइड, हैलीकॉप्टर राइड के साथ फैमिली स्वीमिंग पूल है जिसमें महिलाऐं स्वीमिंग का आनंद उठा सकती है। पुरुष वर्ग के लिए सभी तरह के झूलों के साथ बड़ा सा स्वीमिंग पूल का विशेष प्रबंधन किया हुआ है। इसके साथ ही कपल और फैमिली के लिए बोटिंग की आनंद लिया जा सकता है। वाटर पार्क में बड़े आयोजन के करने के लिए हॉल, झौंपड़िनुमा कमरे भी मिल जाते है। कम रेट, ज्यादा एन्टरटेनमेंट के वादे पर कवि मिजाज रखने वाले नेमीचंद गहलोत बताते है कि इस फन वर्ल्ड की स्थापना बीकानेर में किसी बड़े एन्टरटेंनमेंट के ना होने के खालीपन को भरना था और आज नगर निवासियों के साथ बीकानेर के बारह से आये मेहमान भी यहां आकर आनंद उठाते है तो उनका मन बड़ा प्रसन्न रहता है। खाने पीने की व्यवस्था पर गहलोत बताते है कि हमारे यहां विभिन्न तरह के ब्रांडेड कंपनियों के पेय पदार्थ और पैकेट् फुड आइटम हर समय मिलते और यहा पर परिवार अपने घर से भी खाना बनाकर ला सकता है जिसको पार्क में विभिन्न विश्राम स्थलियों में बैठकर खा सकता है।

अमेरिका–चीन विवाद से भारत के लिए कई क्षेत्रों में खुल सकते अवसर, फियो ने कही ये बात

नई दिल्ली।
अमेरिका और चीन में शुल्क विवाद से भारत के लिएफेस मास्क, पीपीई, एल्युमीनियम और स्टील समेत कई क्षेत्रों में अवसर के नएद्वार खुल सकते हैं।फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, अमेरिका के इस कदम से दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध शुरू हो जाएगा। ऐसे में चीन की ओर से जवाबी कार्रवाई की आशंका है। इससे भारत और अन्य प्रतिस्पर्धियों को आपूर्ति के अंतर का फायदा उठाने का अवसर मिल सकता है।भारत इसका लाभ उठाकर अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ा सकता है।दरअसल, अमेरिका ने अपने सबसे बड़े कारोबारी भागीदार चीन के कुछ उत्पादों पर शुल्क में 100 फीसदी तक बढ़ोतरी की है।

चीन से ईवी आयात घटा रहे पश्चिमी देश

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ चीन से इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात में कटौती कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा ईवी, बैटरी और कई अन्य नई टेक्नोलॉजी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने से चीन इन उत्पादों को भारत सहित अन्य बाजारों में डंप करने के लिए मजबूर हो सकता है। चीनी फेस मास्क, सीरिंज, सूई और चिकित्सा दस्ताने पर ज्यादा शुल्क भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पेश करते हैं। अमेरिका को चीन 420 अरब डॉलर का निर्यात करता है।टैरिफ विवाद से चीन के निर्यात में 18 अरब डॉलर की कमी आईहै। अमेरिका के बाजार में बढ़ सकता है हमारा कारोबार मांग वाले उत्पादों का उत्पादन और निर्यात को बढ़ाकर भारत अमेरिकी बाजार में व्यापार को बढ़ा सकता है। भारत को ईवी और सेमीकंडक्टर जैसे उत्पादों पर कोई निर्यात लाभ नहीं मिल सकता है, क्योंकि भारत इनका आयातक है। लेकिन, लंबे समय में भारत 2025 से बड़े पैमाने पर सेमीकंडक्टर उत्पादन शुरू करने के साथ इसमें से कुछ को अमेरिका और यूरोप के अन्य देशों में निर्यात करने में सक्षम होगा। भारत में चार चिप संयंत्रों पर काम चल रहा है। ईवी तंत्र भी गति पकड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

संतुष्ट न होने पर 10 में से नौ ठुकरा देते हैं नौकरी, युवाओं को आर्थिक हालात में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली। दुनियाभर में मिलेनियल्स व जेन जी अर्थव्यवस्था और सामाजिक हालात को लेकर आशावादी हैं। ज्यादातर युवाओं को उम्मीद है कि उनके देश के आर्थिक व सामाजिक हालात में आगे चलकर सुधार होगा। मिलेनियल्स यानी 1983 से 1994 के बीच पैदा हुए लोग और जेन जी 1995 से 2005 के बीच पैदा हुए लोग दुनिया के श्रम बल का सबसे अहम हिस्सा हैं। डेलॉइट की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों पीढ़ियों के 10 में से नौ लोग नौकरी की संतुष्टि को अहम मानते हैं और वे ऐसी नौकरियों के प्रस्तावों को ठुकराने को तैयार रहते हैं, जो उनकी नैतिकता और मान्यताओं के अनुरूप नहीं होती हैं। सर्वेक्षण में 44 देशों के 22,800 से अधिक जेन जी और मिलेनियल को शामिल किया गया। 24 नवंबर, 2023 से 13 फरवरी, 2024 के बीच किए गए इस सर्वे का लक्ष्य यह पता लगाना था कि दोनों पीढ़ियां अपने आसपास की दुनिया में होने वाले बदलावों को कैसे समझती हैं। डेलॉइट इंडिया की चीफ पीपल एंड एक्सपीरिएंस अधिकारी दीप्ति सागर कहती हैं कि दोनों पीढ़ियां दुनिया में बदलाव के वाहक हैं। खासतौर पर जेनएआई को लेकर उत्साहित हैं और मानते हैं कि नई तकनीक उनके कार्य–जीवन संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

नौ साल में कृषि क्षेत्र का बजट 300 फीसदी बढ़ा, स्टार्टअप की संख्या कई गुना बढ़कर 7,000 पार

नई दिल्ली। कारोबार के अनुकूल माहौल और सरकार के समर्थन से पिछले नौ साल में कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में स्टार्टअप की संख्या कई गुना बढ़कर 7,000 से अधिक हो गई है। 2014–15 से पहले इनकी संख्या 50 से कम थी। नौ वर्षों की इस अवधि में कृषि के लिए बजट आवंटन में भी 300 फीसदी का उछाल आया है। यह 30,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशंस (एफएआईएफए) की जारी भारत के कृषि परिवर्तन शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार का एक दशक लंबा प्रयास सराहनीय है। इसमें व्यापक दृष्टिकोण को स्वीकार किया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। इन योजनाओं से किसानों की स्थिति में आया सुधार रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने किसानों की स्थिति बदलने में अहम भूमिका निभाई है। इन योजनाओं की मदद से किसानों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। जैविक खेती को बढ़ावा देने, महिला किसानों को सशक्त बनाने, बुनियादी ढांचा मजबूत करने एवं सेवाओं को डिजिटल बनाने के लिएसरकार ने रणनीति बनाई है।

शहरी बेरोजगारी मार्च तिमाही में घटकर 6.7 फीसदी, महिलाओं की बेरोजदारी दर में गिरावट

नई दिल्ली। देश में शहरी बेरोजगारी दर मार्च तिमाही में मामूली घटकर 6.7 फीसदी पर आ गई है। एक साल पहले समान अवधि में यह 6.8 फीसदी थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए शहरी बेरोजगारी पिछले साल अप्रैल–जून और जुलाई–सितंबर में 6.6 फीसदी थी। अक्तूबर–दिसंबर में यह 6.5 फीसदी थी। एनएसओ की ओर से जारी 22वें पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर इस साल जनवरी–मार्च में घटकर 8.5 प्रतिशत हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह दर 9.2 प्रतिशत थी। अप्रैल–जून 2023 में यह 9.1 फीसदी, जुलाई–सितंबर 2023 में 8.6 फीसदी और अक्तूबर–दिसंबर 2023 में 8.6 फीसदी थी। पुरुषों में बढ़कर 6.1 फीसदी शहरी पुरुषों में बेरोजगारी दर इस साल जनवरी–मार्च में बढ़कर 6.1 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई। एक साल पहले की अवधि में 6 प्रतिशत थी। अप्रैल–जून 2023 में यह 5.9 फीसदी, जुलाई–सितंबर 2023 में 6 फीसदी और अक्तूबर–दिसंबर 2023 में 5.8 फीसदी थी। शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रम बल भागीदारी दर 2024 की जनवरी–मार्च तिमाही में बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गई।

वाणिज्य मंत्रालय बोला– भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बहुत कम

वित्त वर्ष 24 में करीब 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात, केवल 200 किलो वापस मंगाया

नई दिल्ली।
भारतीय मसालों के निर्यात पर वैश्विक स्तर पर कड़ी नजर रखी जा रही है। ऐसे में वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि इन वस्तुओं का रिजेक्शन रेट बेहद कम है। वहीं, निर्यात सैंपल की विफलता भी कम है। वाणिज्य मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा,हमारी ओर से प्रमुख देशों को निर्यात किए गए मसालों की कुल मात्रा के मुकाबले अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रिकॉल और अस्वीकृति आंकड़ों पर नजर रखता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 24 में भारत ने लगभग 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात किया, जिसमें से केवल 200 किलोग्राम के मसाले की एक छोटी मात्रा को ही वापस मंगाया गया।

एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं – अधिकारियों ने बताया कि भारतीय निर्यात के लिए सैंपल फेलियर 0.1 प्रतिशत से 0.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर बना हुआ है, जबकि अन्य देशों से आने वाले मसाले का सैंपल फेलियर 0.73 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं है। भारत कई बार कई देशों के सैंपल को खारिज भी कर देता है।

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में मसालों पर बैन के बाद आया मंत्रालय का बयान – हाल ही में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स– मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है। तब से भारतीय मसालों को वैश्विक जांच का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के रेगुलेटर मासालों की जांच कर रहे हैं। इसी के बाद अब वाणिज्य मंत्रालय ने इसके निर्यात और रिजेक्शन को लेकर बयान दिया है।

भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग से डीटेल्स मांगी है – 23 दिन पहले एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बैन के मामले में भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के फुड रेगुलेटर्स यानी खाद्य नियामक से डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सिंगापुर और हांगकांग दोनों में भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक डीटेल्ड रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया था। मिनिस्ट्री ने एमडीएच और एवरेस्ट से भी डीटेल्स मांगी थी।

मसालों में तय मानकों से कम कीटनाशक की अनुमति – 11 दिन पहले 6 मई को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया था, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर जड़ी–बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की अनुमति देता है। एफएसएसएआई ने एक प्रेस रिलीज में बताया था कि इस तरह की सभी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। भारत में मैक्सिमम रेसिड्यू लेवल यानी कीटनाशक मिलाने की लिमिट दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। कीटनाशकों के एमआरएल उनके रिस्क के आकलन के आधार पर अलग–अलग फूड मटेरियल के लिए अलग–अलग तय किए जाते हैं। कुछ कीटनाशकों के लिए बढ़ाई थी लिमिट हालांकि एफएसएसएआई ने माना था कि कुछ कीटनाशक, जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं, उनके लिए यह लिमिट 0.01 एमजी/केजी से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 एमजी/केजी की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल के रिकमेंडेशन पर ही किया गया था। सीआईबी × आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, इम्पोर्ट–एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज आदि को रेगुलेट करते हैं। मिर्च पाउडर में माइक्लोबुटानिल की सीमा 2 एमजी/केजी मिर्च पाउडर में मिलाए जाने वाले माइक्लोबुटानिल के लिए कोडेक्स ने 20 एमजी/केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 2 एमजी/केजी तक मिलाने की परमिशन देता है। एक अन्य पेस्टिसाइड स्पाइरोमेसिफेन के लिए कोडेक्स ने 5 एमजी/केजी की लिमिट तय की है, एफएसएसएआई इसके लिए 1 एमजी/केजी तक की ही अनुमति देता है। काली मिर्च के लिए मेटालैक्सिल और मेटालैक्सिल–रू के यूज के लिए कोडेक्स ने 2एमजी/केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 0.5एमजी/केजी तक मिलाने की अनुमति देता है। सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड भारत में सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 139 कीटनाशकों का इस्तेमाल मसालों में किया जा सकता है। जबकि कोडेक्स ने टोटल 243 कीटनाशकों को एडॉप्ट किया है।

कोल इंडिया-ओएनजीसी और एनएमडीसी विदेश में और तेज करेंगे खनिजों की खोज पहले से ही चिली-ऑस्ट्रेलिया में कर रहे काम

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने कहा कि सरकारी कंपनियां कोल इंडिया, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) और राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) विदेशों में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और सक्रिय रूप से करेंगे। कोल इंडिया और एनएमडीसी पहले से ही चिली और ऑस्ट्रेलिया में काम कर रहे हैं। ओवीएल सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की विदेशी निवेश कंपनी है। इन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की विदेश में पहले से ही किसी न किसी तरह की मौजूदगी है।

केंद्रीय खान सचिव वीएल कांथा राव ने अपतटीय खनन पर एक कार्यशाला के अवसर पर कहा कि सचिवों के समूह (संसाधनों पर) ने फैसला लिया है कि कोल इंडिया, एनएमडीसी, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड समेत अन्य कंपनियां आगे बढ़ें और विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज पर भी ध्यान दें। यह एक आसान तरीका है। ये कंपनियां पहले से ही विदेशों में कारोबार कर रही हैं। हालांकि खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज के लिए गठित तीन सार्वजनिक उपक्रमों का एक संयुक्त उद्यम है। इसका स्वामित्व तीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लि. (नाल्को), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) और मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) के पास है।

बिजली उत्पादन में घटी कोयले की खपत, 64 साल में पहली बार 50 फीसदी से नीचे आई

नई दिल्ली। देश में बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी 64 साल में पहली बार घटकर 2024 की पहली तिमाही में 50 फीसदी से नीचे आ गई है। 1960 के दशक के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। जलवायु परिवर्तन के दौर में ये अच्छे संकेत हैं। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की पावरअप पर नवीनतम तिमाही रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, जनवरी–मार्च में देश की बिजली उत्पादन क्षमता में जोड़ी गई रिकॉर्ड 13,669 मेगावाट (मेगावाट) बिजली में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 71.5 फीसदी रहा। इसी के साथ भारत 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का चलन बढ़ाकर 50 फीसदी से अधिक ले जाने के लक्ष्य से आगे निकल गया है। भारत 2030 तक ऊर्जा की नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने का लक्ष्य रखने वाले कुछ देशों में से एक है।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स घटाया: 8,400 से घटाकर 5,700 प्रति मीट्रिक टन किया, डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर छूट बरकरार

नई दिल्ली।
सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले क्रूड ऑयल के एक्सपोर्ट पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी , यानी विंडफॉल टैक्स को घटा दिया है। अपनी रेगुलर रिव्यू में सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 8,400 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 5,700 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। यह बदलाव लागू हो गया है। सरकार हर 15 दिन पर विंडफॉल टैक्स रिव्यू करती है।

इससे पहले 1 मई को घटा था विंडफॉल टैक्स

इससे पहले सरकार ने 1 मई को विंडफॉल टैक्स 9,600 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 8,400 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। उससे पहले विंडफॉल टैक्स को लगातार बढ़ाया जा रहा था।

एक महीने पहले 16 अप्रैल की समीक्षा में विंडफॉल टैक्स को 6,800 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 9,600 रुपए प्रति टन कर दिया गया था।

डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर छूट बरकरार

वहीं दूसरी ओर सरकार ने डीजल, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एयरक्राफ्ट में इस्तेमाल होने ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को शून्य पर बनाए रखने का फैसला लिया है। यानी घरेलू रिफाइनरों को डीजल, पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर मिल रही छूट आगे भी बरकरार रहने वाली है। इससे उन घरेलू कंपनियों को फायदा होता रहेगा, जो रिफाइनरी चलाती हैं ।

सरकार दयालुतापूर्ण पूंजीवाद को अपनाए: नारायणमूर्ति बोले बेहतर शैक्षणिक संस्थानों के लिए फंडिंग बढ़ाना जरूरी

नई दिल्ली।
आईटी उद्योग के दिग्गज एनआर नारायणमूर्ति और क्रिस गोपालकृष्णन को उम्मीद है कि आगामी सरकार ईमानदार उद्यमियों को खुली छूट देगी और देश के लिए धन सृजन में तेजी लाने में किसी भी बाधा को दूर करेगी। इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने कहा कि वे चाहते हैं कि नई सरकार दयालुतापूर्ण पूंजीवाद को अपनाए क्योंकि अतीत में समाजवादी और कम्युनिस्ट व्यवस्था ने संतोषजनक परिणाम नहीं दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 99 प्रतिशत ईमानदार उद्यमियों को तेजी से आगे बढ़ने और देश में बहुत सारी नौकरियां पैदा करने के लिए मदद दी जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। आईटी क्षेत्र के दोनों दिग्गजों ने निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की ओर से देश में अनुसंधान और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए फंडिंग बढ़ाने का भी समर्थन किया।

ईटी से बातचीत में एक्सिलर वेंचर्स के चेयरमैन कृष गोपालाकृष्णन ने कहा कि हमें प्राइवेट और पब्लिक दोनों तरह के रिसर्च के लिए फंडिंग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अमेरिकी विश्वविद्यालयों– एमआईटी, हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, आदि को देखें– उन्हें अरबों डॉलर की फंडिंग मिलती है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हमारे पूर्व छात्र हमारे संस्थानों में अधिक योगदान देंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारे के संस्थान मुख्य रूप से सरकारी फंडिंग पर निर्भर करते हैं। मैं इस मामले में उद्योग जगत की अधिक भागीदारी देखना चाहता हूं। नारायणमूर्ति ने उनसे सहमति जताई और कहा कि अकादमिक संस्थानों में कुछ चीजों को बदलने की जरूरत है जबकि कॉरपोरेट जगत में पहले से ही काफी नवाचार हो रहा है। उन्होंने कहा, यदि कोई युवा उद्यमी किसी नए विचार पर काम शुरू करता है, तो हमें यह नहीं मानना चाहिए कि वे सभी विफल हो जाएंगे। एक बार जब सरकार नए विचारों, नए आइडियाज पर ध्यान देना शुरू कर देगी, तो चीजें बदलेंगी। उन्होंने कहा, एक बार जब कंपनी कुछ वृद्धि हासिल कर लेती है तो उन्हें (जिन संस्थानों को शेयर दिए गए थे) लाभांश मिलेगा, जो अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण होगा और उनका मूल्य बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को भी देखना होगा कि अब से 20 या 50 साल बाद हमारा भविष्य क्या होगा।

लड़कियों को मिले पूरा हक, तकनीक के क्षेत्र में हो बराबर हिस्सेदारी, बोलीं ईशा अंबानी

नई दिल्ली।
चौथी औद्योगिक क्रांति के इस डिजिटल युग में भारत को अगर वर्ल्ड लीडर के तौर पर उभरना है तो लड़कियों को आगे लाना होगा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और सूचना व संचार टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी बढ़ानी होगी। दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'गर्ल्स इन आईसीटी इंडिया – 2024' में लड़कियों से बात करते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने उन्हें प्रौद्योगिकी को एक करियर के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। ईशा ने कहा, टेक्नोलॉजी क्षेत्र में महिलाओं और पुरूषों का अनुपात बराबर होना चाहिए। इसके लिए हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

'गर्ल्स इन इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (जीआईसीटी) इंडिया– 2024' का आयोजन दूरसंचार विभाग–भारत सरकार, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (दक्षिण एशिया), इनोवेशन सेंटर– दिल्ली और संयुक्त राष्ट्र की अन्य एजेंसियों ने मिलकर किया था। ईशा अंबानी बोलीं– सरकार आवश्यक सुधार कर रही है, इसके परिणाम भी दिख रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए ईशा अंबानी ने कहा कि सरकार आवश्यक सुधार कर रही है, और इसके परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। पिछले दशक में टेक्नोलॉजी कार्यबल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 6 प्रतिशत बढ़ा है, पर उद्योग जगत को भी अपना योगदान देना होगा। लड़कियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे तरीके और साधन तैयार करने होंगे, जिससे महिलाओं के करियर में स्थिरता सुनिश्चित हो सके। साथ मिलकर, हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं जहां हमारी बेटियों को कल का नेतृत्वकर्ता बनने के समान अवसर मिलें। केवल कागज पर विविधता और समावेशिता दिखाने से बदलाव नहीं आएगा: ईशा ईशा अंबानी ने अपनी मां नीता अंबानी का जिक्र करते हुए कहा कि वे बार बार कहती हैं कि एक आदमी को सशक्त बनाओ तो वह एक परिवार का पेट भरेगा। जबकि एक महिला को सशक्त बनाया जाए तो वह पूरे गांव को खाना खिलाएगी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे मेरी मां की बात पर पूरा विश्वास है कि महिलाएं जन्मजात लीडर होती हैं। उनकी सहज निस्वार्थता उन्हें बेहतर लीडर बनाती है। महिला कर्मचारियों को उनके करियर के आरंभ से ही प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। केवल कागज पर विविधता और समावेशिता दिखाने से बदलाव नहीं आएगा।

दिमाग में लगी चिप में छोटे तार हटने से टूटा मस्क का सपना, असफल परीक्षण पर मरीजों का खुलासा

वॉशिंगटन। दिग्गज कारोबारी एलन मस्क के 'न्यूरालिंक' ने एक ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) बनाकर पक्षाघात (लकवा) पीड़ित रोगियों के दिमाग में चिप लगाकर तकनीकी रूप से इलाज का मानव परीक्षण पिछले दिनों किया। हालांकि, इसमें आई खराबी से परिचित पांच लोगों ने खुलासा किया कि मरीज के दिमाग के अंदर के छोटे तार अपनी जगह से हट गए थे और इस बारे में कंपनी पहले से जानकारी रखती थी। दरअसल, कंपनी का सिस्टम जिसे 'लिंक' कहते हैं, उसमें 64 थ्रेड्स में 1,024 इलेक्ट्रोड का इस्तेमाल करके नर्व साइन रिकॉर्ड किए जाते हैं। ये बाल से भी पतले होते हैं। इन्हीं से बने ब्रेन चिप में आई खराबी से कंपनी के परीक्षण को बड़ा झटका लगा। एक माह में चिप कमजोर पड़ी कंपनी ने खुलासा किया कि मनुष्य की खोपड़ी में न्यूरालिंक के पहले चिप ट्रांसप्लांट को एक बड़ा झटका लगा, क्योंकि डिवाइस मरीज के ब्रेन से अलग होने लगी। नोलैंड के एक व्यक्ति के मस्तिष्क में चिप जोड़ने के लिए फरवरी में सर्जरी की गई थी। ट्रांसप्लांट के एक महीने के भीतर डिवाइस की कार्यक्षमता कम हो गई क्योंकि स्मॉल कंप्यूटर को ब्रेन से जोड़ने वाले डिवाइस के धागे हटने लगे।

ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले एकमात्र पहलवान अमन की बढ़ी परेशानी, ट्रायल के पेंच में फंसे

नई दिल्ली ।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष पहलवान अमन सहरावत इस बात से नाखुश हैं कि खेलों की तैयारी पर अपना ध्यान लगाने की जगह उन्हें अब भी एक और ट्रायल के लिए वजन घटाने के बारे में चिंता करनी होगी।

अंडर-23 विश्व चैंपियन 20 साल के अमन ने हाल में इस्तांबुल में विश्व क्वालिफायर के जरिए पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। भारत के पुरुष पहलवानों ने 11 और वजन वर्ग में चुनौती पेश की, लेकिन उनमें से कोई क्वालिफाई नहीं कर पाया। अमन ने कहा- मुझे कई बार अपना वजन कम करना पड़ा है। मुझे कब तक ऐसा करना होगा इससे काफी कमजोरी आती है। मुझे समझ नहीं आता कि मैं अब दोबारा ट्रायल जीतने के बारे में सोचूं या ओलंपिक की तैयारी शुरू करूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे दोबारा ट्रायल से गुजरने को कहा जाता है तो ओलंपिक के लिए अच्छी तैयारी नहीं कर सकूंगा। ट्रायल के खत्म होने तक ओलंपिक बेहद करीब होगा तो फिर हम तैयारी कब शुरू करेंगे मेरे नजरिए से ट्रायल नहीं होने चाहिए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता और एशियाई चैंपियनशिप के विजेता अमन को विश्वास है कि वह खेलों में पदक के दावेदार होंगे। उन्होंने कहा- मैं खुद को दुनिया में शीर्ष तीन में देखता हूं। रूस और अल्बानिया के पहलवान मजबूत हैं और उनके साथ करीबी मुकाबला होगा, अन्य को मैं संभाल सकता हूं। अमन 2023 विश्व चैंपियनशिप में अल्बानिया के जेलिमखान अबाकारोव से हार गए थे जहां सर्बिया के स्टीवन एंड्रिया मिसीसी चैंपियन बने थे। रूस के दो बार के विश्व चैंपियन जावुर उगुएव भी मजबूत प्रतिद्वंद्वी हैं जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक खेलों के स्वर्ण पदक मुकाबले में रवि दहिया को हराया था। जब भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ट्रायल आयोजित करेगा तो संभवतः अमन को रवि को हराना होगा। रवि और सोनीपत में आयोजित अंतिम ट्रायल में पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग के शीर्ष तीन पहलवानों को एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी होगी और उसका विजेता कोटा हासिल करने वाले अमन के साथ मुकाबला करेगा। दस साल की उम्र में छत्रसाल स्टेडियम से जुड़ने वाले अमन ने कहा- अगर ये ट्रायल नहीं होते तो मैं ट्रेनिंग के लिए रूस जा चुका होता। यह बेहतर होगा कि मैं रूस में अच्छे पहलवानों के साथ ट्रेनिंग करूं। मुझे लगता है कि मैंने भारत में पर्याप्त ट्रेनिंग की है और अब समय है कि मैं अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ ट्रेनिंग करूं। अमन का कहना है कि सिर्फ वजन घटाना ही समस्या नहीं है। उन्होंने कहा- उबरना भी काफी महत्वपूर्ण होता है। अगर दोबारा ट्रायल हुए तो ट्रायल, वजन घटाना और उबरने की प्रक्रिया में ओलंपिक से पहले काफी समय खराब हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

हरभजन ने 2007 टी20 विश्व कप में एमएस धोनी की खिताब जीतने वाली कप्तानी पर अंतर्दृष्टि साझा की

नई दिल्ली । अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप 2024 से पहले, भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने पूर्व कप्तान एमएस धोनी के नेतृत्व कौशल के बारे में विस्तार से बताया, जिसने 2007 में मेन इन ब्लू को इस प्रारूप का उद्घाटन चैंपियन बनाया था। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में दो कट्टर प्रतिद्वंद्वियों - भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक शिखर मुकाबले में, परिणाम अंतिम ओवर में तय किया गया क्योंकि धोनी की अगुवाई वाली टीम ने पांच रन से मैच जीत लिया। अनुभवी स्पिनर ने अंतिम निर्णय लेने से पहले अपने निर्णय लेने और टीम के सदस्यों को शामिल करने के लिए धोनी को श्रेय दिया। बहुत से लोग नहीं जानते हैं, धोनी बहुत नए कप्तान थे, इसलिए उन्हें हम सभी के समर्थन की ज़रूरत थी। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ मैच से पहले, हमारा कोर ग्रुप खेल के दौरान एक साथ इकट्ठा होकर आगे की रणनीति तैयार करता था। हरभजन ने एक विशेष रूम में कहा, उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच में, मैंने महत्वपूर्ण 17वां या 18वां ओवर फेंका क्योंकि अगर हम केवल 4 रन देने में कामयाब रहे, तो इससे हमें काफी बचत हुई। 157 रनों का बचाव करते हुए, भारत मैच में मुश्किल स्थिति में था जब हरभजन ने अपने 17 वें ओवर में मिस्बाह-उल-हक के तीन छक्कों की मदद से 19 रन लुटा दिए। आखिरी तीन ओवरों में 35 रनों की जरूरत थी, धोनी ने अगला ओवर तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को दिया जिसमें उन्होंने 15 रन दिए और सोहेल तनवीर का एक विकेट लिया। पाकिस्तान के लिए समीकरण 12 गेंदों में 20 रन का था और उसके हाथ में दो विकेट थे। हरभजन को फिर से महत्वपूर्ण 19वां ओवर दिया गया क्योंकि धोनी ने अंतिम ओवर के लिए मध्यम तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा को बचाया। हरभजन ने केवल सात रन देकर और उमर गुल का एक विकेट लेकर अपने कप्तान को सही साबित किया. फिर जोगिंदर ने अपने ओवर की तीसरी गेंद पर पाकिस्तान के कप्तान का विकेट लेकर भारत के लिए हाई-ऑक्टेन मुकाबले में टीम को जीत दिलाकर इतिहास रच दिया। स्मृति को याद करते हुए, 43 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल मुकाबले के अंतिम ओवर के लिए सही गेंदबाज चुनने के पीछे धोनी के सामूहिक नेतृत्व कौशल की सराहना की। उस समय, बल्लेबाज आज की तरह एक ओवर में 25 रन नहीं बनाते थे। निर्णय लेना हमेशा टीम का प्रयास होता था। जब आप एकजुट टीम के रूप में एक साथ खेलते हैं, तो आप अधिक प्रतियोगिताएं जीतते हैं। धोनी एक महान श्रोता थे, सामूहिक निर्णय लेते थे इससे टीम को फायदा हुआ। यह व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में नहीं था बल्कि हम के रूप में खेलने के बारे में था। अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन ने कहा, इसी तरह अब सवाल यह है कि क्या रोहित शर्मा ऐसा कर सकते हैं रोहित अकेला नहीं है; यह हम के बारे में है। यदि हम व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सामूहिक सफलता के बारे में सोचकर एकजुट टीम के रूप में खेलें तो जीत सकते हैं। लेकिन अगर हम केवल व्यक्तिगत लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो चीजें मुश्किल हो जाती हैं। यह सब हम मानसिकता के बारे में है, और तभी चीजें जीवन में आती हैं। दो एशियाई क्रिकेट दिग्गज 9 जून को न्यूयॉर्क में आगामी टी20 विश्व कप में एक और रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार हैं।

फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे धोनी, 42 की उम्र में लगा रहे चौके और छक्के : रायुडू

हैदराबाद । पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि चेन्नई महेन्द्र सिंह के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दिया है। इसी कारण वह 42 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं। रायुडू ने कहा कि बढ़ती उम्र को देखते हुए धोनी ने पिछले कुछ साल में अपनी फिटनेस पर विशेष जोर दिया है क्योंकि वह जानते हैं कि 40 के दशक में सब कुछ इतना आसान नहीं रहता है। इसी कारण वह 42 साल की उम्र में भी विकेटकीपिंग करते हुए फिट नजर आते हैं। वह अनुभवी विकेटकीपर के रूप में सजग हैं और बल्लेबाजी के दौरान डेथ ओवरों में छक्के भी लगा रहे हैं। धोनी ने अब तक 13 मैचों में 226.26 की स्ट्राइक रेट से 136 रन बनाए हैं। इस आईपीएल सत्र में उनका 68 का औसत चेन्नई के सभी बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है। इस सत्र में वह केवल 2 बार आउट हुए हैं।

भारतीय फुटबॉल का पोस्टर बॉय, जिसने गोल के मामले में मैजिकल मेसी को दी टक्कर, रचे कई कीर्तिमान

नई दिल्ली ।

सुनील छेत्री ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेस्सी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरुस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी।

छेत्री ने अपने शानदार करियर में छह बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर छेत्री 2008 में एएफसी चैलेंज कप, 2011 और 2015 में एसएएफएफ चैंपियनशिप, 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप के साथ-साथ 2017 में इंटरकांटिनेंटल कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं।

सुनील ने शौकिया तौर पर फुटबॉल खेलने की शुरुआत साल 2002 में की थी। 17 की उम्र में वह मोहन बागान क्लब से जुड़े। उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल 20 की उम्र में भेजा। एफसी चैलेंज कप फाइनल 2008 में ताजिकिस्तान के खिलाफ सुनील ने तीन गोल किए थे। उनके इन्हीं गोल के दम पर भारतीय टीम ने 27 सालों बाद एएफसी एशियन कप के लिए क्वालिफाई किया था। 2010-11 में सुनील को कंसास सिटी विजार्ड फुटबॉल लीग ने अपनी टीम के लिए साइन किया था। भारत की आजादी के बाद विदेश में प्रोफेशनल लीग ज्वाइन करने वाले वह दूसरे खिलाड़ी बने।

2013 में पुर्तगाली क्लब से हटने के बाद छेत्री बेंगलुरु फुटबॉल क्लब से जुड़े। इस दौरान उन्होंने 23 मुकाबलों में 14 गोल और सात एसिस्ट किए। 2015 में सुनील ने 50 अंतरराष्ट्रीय गोल पूरे किए थे। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने थे।

2017 में किर्गिस्तान के खिलाफ सुनील ने 69वें मिनट में गोल दागकर इतिहास रचा था। उनके इस गोल की बदौलत 2019 एशिया कप के लिए भारत ने क्वालिफाई किया था। इस गोल के साथ वह फीफा की शीर्ष 100 रैंकिंग में शुमार हो गए थे।

साल 2018 में इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान सुनील, डेविड विला के साथ दुनिया के तीसरे सबसे एक्टिव अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोरर बने थे। हाल ही में चार जून को सुनील ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। केनिया के खिलाफ इस मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागे। वह 100 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत को भारत सहित इन चार टीमों के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

ढाका । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है भारतीय टीम इस साल अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। साथ ही कहा कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी अंतिम चार में पहुंचेंगी। महिला टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में खेला जाएगा। हरमनप्रीत के अनुसार हाल के समय में उनकी टीम ने बांग्लादेश का दौर किया है और उस अनुभव का लाभ भी टीम को विश्वकप में मिलेगा। इसमें भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में शामिल किया गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें हैं। हरमनप्रीतम के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि इन सभी टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं इसलिए उम्मीद है कि ये चारों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं।

नीरज चोपड़ा को नेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन कप में गोल्ड

82.27 मीटर थ्रो फेंककर पहला स्थान हासिल किया, कर्नाटक के डीपी मनु को सिल्वर

नई दिल्ली ।

नेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन कप में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मेडल जीत लिया है। 2020 के टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के बाद नीरज भारत में पहली बार किसी कॉम्पिटिशन में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने अपने चौथे अटैम्प्ट में 82.27 मीटर का थ्रो फेंका, इसी थ्रो से उन्होंने पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। भुवनेश्वर में आयोजित कप में नीरज हरियाणा के लिए खेल रहे थे। कॉम्पिटिशन में कर्नाटक के डीपी मनु ने सिल्वर मेडल जीता, वहीं महाराष्ट्र के उत्तम बालासाहेब पाटिल तीसरे स्थान पर रहे। मनु का बेस्ट थ्रो 82.06 मीटर और पाटिल का बेस्ट थ्रो 78.39 मीटर दूर गया। पांचवें नंबर पर रहे किशोर जेना एशियन गेम्स सिल्वर मेडलिस्ट किशोर जेना अपने होमग्राउंड पर मेडल नहीं जीत सके। वह पांचवें नंबर पर रहे, उनका बेस्ट थ्रो 75.49 मीटर का रहा। हालांकि वह पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। उन्होंने एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने के लिए 87.54 मीटर लम्बा थ्रो फेंका था, जो ओलिंपिक में क्वालिफाई करने के लिए काफी रहा। तेजिंदर पाल सिंह और जेस्विन एल्ड्रिन ने जीता गोल्ड एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट शॉटपुटर तेजिंदर पाल सिंह तूर और लॉन्ग जंपर जेस्विन एल्ड्रिन ने अपने-अपने इवेंट में गोल्ड मेडल जीते, लेकिन दोनों ही पेरिस ओलिंपिक का क्वालिफाइंग मार्क नहीं छू सके। शॉटपुट में तूर ने 20.38 मीटर के साथ गोल्ड जीता। पर वह पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग मार्क 21.50 मीटर से पीछे रह गए। तूर का श्रेष्ठ थ्रो 21.77 मीटर का रहा है। मध्य प्रदेश के समरदीप सिंह (18.93) ने सिल्वर और यूपी के आर्यन त्यागी (18.07) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। वहीं लॉन्ग जंप में एल्ड्रिन ने 7.99 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड जीता। केरल के मोहम्मद अनीस ने 7.83 के साथ सिल्वर और मध्य प्रदेश के आदित्य कुमार सिंह ने 7.81 मीटर के साथ ब्रॉन्ज जीता।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद भी टी20 विश्वकप के लिए इन गेंदबाजों को नहीं मिली भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली ।

आईपीएल में इस बार पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन के बाद भी तीन भारतीय गेंदबाजों इशांत शर्मा, संदीप वारियर और तुषार देशपांडे को अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अवसर नहीं मिला है। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के बीच मैच में शानदार गेंदबाजी कर तीन विकेट लेने वाले अनुभवी इशांत शर्मा ने दिल्ली की जीत में अहम भूमिका निभाई पर वह विश्वकप के लिए शामिल नहीं हैं। इशांत ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से पहले ही ओवर में केएल राहुल को आउट किया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक और अपने तीसरे ओवर में दीपक हुड्डा को आउट किया। इसके साथ ही ईशान आईपीएल पावरप्ले में 3 विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बन गए। इशांत से पहले संदीप वारियर और तुषार देशपांडे ने भी इस सत्र में पावरप्ले में 3 विकेट लिए थे ये ये दोनो भी विश्वकप के लिए शामिल नहीं हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के संदीप वारियर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ ही पावरप्ले में 3 विकेट लिए थे जबकि तुषार देशपांडे ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ तीन विकेट लिए थे। इसके अलावा न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट और श्रीलंका के नुवान तुषारा ने भी इस आईपीएल सत्र में पावरप्ले में 3 विकेट लिए हैं। बोल्ट ने मुंबई इंडियंस जबकि नुवान ने केकेआर के खिलाफ ये कारनामा किया था।

क्रिकेट के बाद अब मेजबानी की दुनिया में धमाल मचाने आए शिखर, चैट शो धवन करेंगे का टीजर जारी

नई दिल्ली ।

शिखर धवन एक नए चैट शो धवन करेंगे के साथ होस्ट के रूप में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर 20 मई को जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। क्रिकेटर पिछले कुछ दिनों से अपने चैट शो धवन करेंगे को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। अब शिखर ने टीजर जारी कर अपने प्रशंसकों को खास तोहफा भी दे दिया है।

धवन करेंगे में नजर आए शिखर धवन

धवन करेंगे में क्रिकेट के उस्ताद शिखर धवन को एक नए अवतार में देखा जाएगा, जो अक्षय कुमार, हरभजन सिंह, तापसी पन्नू, भुवन बम, ऋषभ पंत जैसे प्रमुख मेहमानों का स्वागत करेंगे। इस चैट शो के अंदर अनफिल्टर्ड बातें और कुछ मजेदार गेम सेगमेंट्स देखने तो मिलेगा। अब आखिरकार शिखर के चैट शो धवन करेंगे का धमाकेदार टीजर सामने आ चुका है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

चैट शो का टीजर जारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने टीजर साझा करते हुए लिखा, आपका पसंदीदा गब्बर आ रहा है एक नए अंदाज में। गपशप स्टोरी और मस्ती से भरे नए शो के लिए तैयार हो जाइए, केवल शिखर धवन के साथ। इसमे देश के सबसे बड़े मेहमान शामिल होंगे। हालिया रिलीज टीजर में वह अक्षय कुमार और तापसी पन्नू भी खूब मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं।

शो को लेकर उत्साहित हैं क्रिकेटर

इस शो में मनोरंजन जगत से लेकर भारतीय दिग्गज नजर आएंगे, जिनकी झलक टीजर में दिख रही है। अपने इस टॉक शो के बारे में बताते हुए शिखर ने कहा, मैं अपने ए-गेम को सामने लाने के लिए तैयार हूं, टॉक शो को अपनी सकारात्मक उर्जा से भर दूंगा, जिसे क्रिकेट प्रेमी पहले से ही पहचानते हैं। यह सिर्फ मनोरंजन के बारे में नहीं है। यह मेरे प्रशंसकों के साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव है।

अफ्रीका की टी-20 वर्ल्ड कप टीम में सिर्फ एक अश्वेत खिलाड़ी

कगिसो रबाडा हैं शामिल; पूर्व सीएसए अध्यक्ष और पूर्व खेल मंत्री ने उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई साउथ अफ्रीकी टीम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। टीम में केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किए जाने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और क्रिकेट साउथ अफ्रीका की आलोचना की जा रही है। साउथ अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले मबालुला और साउथ अफ्रीका क्रिकेट और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष रे माली ने भी दो अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ियों को जगह नहीं दिए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। दरअसल साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम में प्लेइंग इलेवन में दो अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी सहित 6 अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किया जाना जरूरी है। वहीं 2 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की जो 15 सदस्यीय संभावित टीम चुनी गई है, उसमें केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी कगिसो रबाडा को शामिल किया गया है। वहीं लुंगी एनगिडी को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। जबकि टीम में पांच अन्य अश्वेत खिलाड़ियों में रीजा हेंड्रिक्स, ब्योर्न फोर्टुइन, केशव महाराज, तबरेज शम्सी और ओटनील बार्टमैन को जगह दी गई है। क्या कहा पूर्व अधिकारियों साउथ अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले एमबालुला ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई टीम पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा- टी-20 वर्ल्ड कप के लिए केवल एक अफ्रीकी खिलाड़ी को टीम में चुना गया है। यह सम्मानता लाने के लक्ष्य से उलट है। इसमें साउथ अफ्रीकी लोगों का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। वहीं क्रिकेट अफ्रीका और इंटरनेशनल क्रिकेट के अध्यक्ष रह चुके रे माली ने कहा कि हमने खेल में बहुत हासिल कर लिया है, लेकिन हम क्रिकेट के मामले में पिछड़ रहे हैं। हमने आगे बढ़ने के बजाय एक कदम पीछे ले लिया है। इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि आज के समय में साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम में अश्वेत खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा क्यों नहीं हो सकती है। हमने उन लोगों को धोखा दिया है जिन्होंने हमें इस देश के लिए एकता पर बातचीत करने के लिए कहा था। वनडे और टी-20 टीम के कोच ने टीम चयन पर रखा अपना पक्ष अफ्रीका में टीम चयन को लेकर फिलहाल अभी कोई चयन कमेटी नहीं है। टी-20-वनडे टीम के कोच रॉब वाल्टर और टेस्ट टीम के कोच शुकी कोनराड ही टीम का चयन करते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर उठाए जा रहे सवालों के बीच वनडे और टी-20 के कोच रॉब वाल्टर ने अपना पक्ष रखा है।

उन्होंने क्रिक इंफो से बातचीत में कहा है कि घरेलू सर्किट में चयन के लिए इतनी गहराई मौजूद नहीं है। हमें सिस्टम को आगे बढ़ाने की जरूरत है, ताकि कुछ सालों में हमारे पास विकल्प हों और हम जब 2027 वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन करें, तब टीम थोड़ा अलग दिखे और हम नियमों का पालन कर सकें।

त्वचा और बालों में लगाएंगे जोजोबा ऑयल, तो होंगे ये फायदे!

जोजोबा का तेल त्वचा को पोषित करने के साथ ही बालों को भी मजबूत, घना और स्वस्थ रखता है. इसका इस्तेमाल त्वचा और बालों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में कारगर है. ब्यूटी सोर्स की संस्थापक रागिनी मेहरा और ऑनलाइन स्टोर डेजर्ट स्प्लेंडर के संस्थापक शिव सिंह मन्न ने जोजोबा के तेल के ये लाभ बताए हैं।

» जोजोबा का तेल मुंहासों को नियंत्रित करता है, इसके इस्तेमाल से मुंहासे नहीं होते हैं और दाग-धब्बे भी दूर हो जाते हैं.

» यह त्वचा को नमी प्रदान करता है. यह अन्य तेलों की तुलना में हल्का होता है और त्वचा में गहराई से समा जाता है. यह त्वचा को मुलायम बनाता है और चमक लाता है. यह त्वचा को जवां बनाता है और उसमें कसाव ले आता है. यह सनबर्न को दूर करने के साथ ही जलन और खुजली भी दूर करता है.

» गर्मियों में बाल अक्सर उलझ जाते हैं और रुखे व बेजान हो जाते हैं. जोजोबा का तेल पसीने व अनचाही नमी को ब्लॉक कर बालों का रूखापन दूर करता है और उन्हें मुलायम बनाता है. वहीं यह स्कैल्प में नमी प्रदान करता है, जो अक्सर हानिकारक रसायन युक्त शैम्पू के इस्तेमाल से स्कैल्प से निकल जाता है.

» जोजोबा का तेल विटामिन ई और बी युक्त होने के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स से समृद्ध होता है, जो त्वचा को पोषण और सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही नमी भी बरकरार रखता है. जोजोबा के तेल में उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व होते हैं. जोजोबा तेजी से कोशिकाओं को रिजेनरेट करता है.

» जोजोबा तेल खासकर लैवेंडर जोजोबा तेल खुशबूदार फूलों की महक से समृद्ध होने के साथ ही सुकून का अहसास कराता है. यह शारीरिक और मानसिक थकान को दूर करता है, अगर तकिए पर इस तेल की कुछ बूंदें डाल दी जाए तो अच्छी नींद आती है.

सेहत की हर परेशानी को दूर कर देंगे नानी मां के ये नुस्खे

यह बात बिल्कुल सही है कि जान है तो जहान है। तंदुरूस्ती हो को हर काम आसानी से किया जा सकता है लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी परेशानियां झेलनी आम बात हैं। बुखार,सर्दी-जुकाम,गला खराब,पेट दर्द के अलावा और भी बहुत सी दिक्कते हैं जो देखने में भले ही छोटी लगें लेकिन इनसे जिंदगी बेरंग सी हो जाती है। सेहत से जुड़ी इन मुश्किलों का सामना करने के लिए दादी-नानी के नुस्खे बेहद कारगर साबित होते हैं।

1. **मुलायम और चमकदार बाल :** पानी में अमरूद के पत्ते उबालकर इससे बाल धोएं।

2. **पसीने से छुटकारा :** अनार के पत्तों को पानी में उबाल कर इससे नहाएं।

3. **गले की इंफैक्शन दूर :** शहतूत खाने से फायदा मिलता है। इसका शरबत भी पी सकते हैं।

4. **खांसी गायब :** अनार का छिलका मुंह में रखकर चूसने से राहत मिलती है।

5. **दर्द से आराम :** सरसों के तेल में लहसून और अजवाइन डालकर गर्म कर लें। इससे बॉडी मसाज करें।

6. **भूख बढ़ाएं :** पुदीने के रस में 2 बूंद अदरक का रस और सेंधा नमक डालकर सेवन करें।

7. **बवासीर से आराम :** करेले के रस में थोड़ी-सी मिश्री डालकर खाएं।

8. **कब्ज :** सौंफ का चूर्ण और चुटकी भर काला नमक मिलाकर रात को खाएं, इससे कब्ज नहीं रहेगी।

मल्टीग्रेन आटे के चमत्कारी लाभ

गेहूं की रोटी स्वादिष्ठ अधिक, पौष्टिक कम होती है। अगर गेहूं में यदि अन्य अनाज को मिला कर आटा पिसवाया जाए तो ऐसे आटे से बनी रोटी की पौष्टिकता बढ़ जाती है। इस प्रकार के आटे को मल्टीग्रेन आटा या कौबिनेशन फ्लोर कहा जाता है।मल्टीग्रेन आटा-मल्टीग्रेन आटा का मतलब की अन्य अनाज जैसे दालों को गेहूं क आटे के साथ मिलाकर उसे मल्टी ग्रेन आटा बना दिया जाता है और यह बाजार में मल्टी ग्रेन आटे के नाम से बिकता है।

तनाव-हार्मोन में बदलाव से हो सकता हैं एक्ने

अगर आपके परिवार में एक्ने की हिस्ट्री रही है यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है। तो भी आपको इससे बचाव की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए। एक्ने त्वचा का एक डिसऑर्डर है। यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। फर्क यह है कि आमतौर पर मुंहासे जहां बिना किसी विशेष उपचार के किशोरावस्था के बाद स्वयं ही ठीक हो जाते हैं, वहां एक्ने के साथ ऐसा नहीं होता और जब तक इसका सही ढंग से इलाज न हो, यह ठीक नहीं होता। इसके बारे में विस्तार से जानिये इस लेख में।

क्यों होता है एक्ने

त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नमी देने के लिए तेल निकलता है। ये ग्लैंड्स चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते हैं। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर ब्लॉक हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो एक्ने का कारण बनते हैं। सामान्य स्थिति में सूर्य की किरणें इनको पनपने नहीं देतीं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका स्राव ज्यादा होता है।

कई लड़कियों को पीरियड्स से पहले बार-बार मुंहासे निकल आते हैं । जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते हैं। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के ज्यादा स्राव के कारण होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे से बन जाते हैं। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट (रंग निर्धारक तत्व) से मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते हैं। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीरम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते हैं, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और फैल सकता है।

टॉक्सिन भी हैं कारण

शरीर में जरूरत से ज्यादा टॉक्सिन तत्व भी एक्ने का कारण हो सकते हैं। त्वचा का एक महत्वपूर्ण कार्य पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिक तत्वों को बाहर निकालना है। ऐसे में अगर टॉक्सिन यानी विषैले तत्व बहुत ज्यादा हो जाएं तो इस पूरी प्रक्रिया में त्वचा के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा एलर्जी, तनाव, जंकफूड, सैचुरेटड फैट, हाइड्रोजेनेटेड फैट और पशु उत्पादों के प्रयोग, कुपोषण और प्रदूषण से भी एक्ने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ दवाओं जैसे स्टीरॉयड, ओरल कांट्रेसेप्टिव पिल्स और मिरगी की दवाओं के रिएक्शन से भी एक्ने हो सकता है।

एक्ने से बचाव

कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो एक्ने को रोका जा सकता है, कम से कम उसका ज्यादा बढ़ना तो कम किया ही जा सकता है। बेहतर होगा कि आप मुंहासे निकलते ही एक्ने की रोकथाम के उपाय शुरू कर दें -

- भोजन में ऐसी चीजें लें जिनमें फैट और मसालों की मात्रा बहुत कम हो। अधिक चिकनाई, तेज मीठा, स्टार्चयुक्त और मसालेदार भोजन से एक्ने की संभावना काफी बढ़ जाती है।
- रेशेदार पदार्थ अधिक मात्रा में लें। इससे पेट साफ रहता है और शरीर के विषाक्त पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं।
- ऐसी चीजें अपने भोजन में शामिल करें, जिनमें जिंक काफी मात्रा में हो। जैसे शेलफिश, सोयाबीन, साबुत अनाज, सूरजमुखी के बीज और सूखे मेवे। जिंक एंटी बैक्टीरियल होता है।
- खट्टी चीजें जैसे लो फैट दही पर्याप्त मात्रा में खाएं। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थो और आयोडीन नमक का प्रयोग कम से कम करें। इनमें आयोडीन बहुत होता है और इससे एक्ने बढ़ता है। मछली और प्याज में भी आयोडीन पाया जाता है, इसलिए इनसे भी दूर रहें।
- शराब, मक्खन, कॉफी, चीज, चॉकलेट, क्रीम, कोको, अंडे, मांस, पोल्ट्री उत्पाद, सॉफ्ट और ब्रोमिनेटेड वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल बिलकुल न करें।

- रोज कम से कम आठ-दस गिलास पानी जरूर पिएं ताकि विषाक्त पदार्थ बाहर निकल सकें। नियमित व्यायाम करें और ताजी हवा में अधिक देर तक रहें।
- जितना संभव हो त्वचा को तैलीय होने से बचाएं। बालों को रोजाना शैम्पू करें। एक्ने के लिए खासतौर पर निर्मित हर्बल साबुन इस्तेमाल करें, त्वचा को अच्छी तरह धोएं, लेकिन ज्यादा रगड़ें नहीं। ज्यादा रगड़ने से एक्ने और फैलता है।
- बालों में डैंड्रफ न होने दें। डैंड्रफ झड़कर जब त्वचा पर गिरता है तो वह भी एक्ने का कारण बनता है।
- अधिक मेकअप से बचें। अगर मेकअप जरूरी हो तो प्राकृतिक और वॉटर बेस्ड मेकअप प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। तेज केमिकल, डाई या तेलयुक्त प्रोडक्ट्स से दूर रहें।
- मेकअप ब्रश और स्पंज को हर बार इस्तेमाल करने के बाद अल्कोहल से धोएं और उन्हें अल्कोहल में ही डुबोकर रखें ताकि संक्रमण न हो।
- तनाव से दूर रहें। तनाव से हार्मोन परिवर्तन होता है, जिससे एक्ने बढ़ सकता है। कई त्वचा विशेषज्ञ एक्ने होने पर रोज कम से कम 15 मिनट धूप सेंकने, व्यायाम और पूरी नींद की सलाह देते हैं।

लेकिन ध्यान रखें कि मुहांसो के और भी कई कारण हो सकते हैं, इसलिए कोई भी उपाय करने से पहले सुझाव के तौर पर त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर कर लें। वह अपनी त्वचा के प्रकार के हिसाब से व मुहांसो के सही कारण को जांच कर आपको सही समाधान व उपचार देगा।

कैल्शियम से भरपूर, ये फूड्स हड्डियों को रखेंगे मजबूत

पहले समय बढ़ती उम्र को लोगों के कमजोर हड्डियों की प्रॉबल्म सुनने को मिलती थी लेकिन बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों के कारण कम उम्र के व्यक्तियों को बी इस समस्या से गुजरना पड़ता है। कम उम्र में जोड़ों में दर्द रहना के कारण कैल्शियम युक्त खाना न लेना है। कुछ लोग अपना डाइट में दूध को शामिल करते है क्योंकि उसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम मौजूद होता है। केवल दूध पीना ही बेहतर नहीं, ऐसे कई फूड्स है जिनको खाने से हड्डियां मजबूत रहती है। आइए जानते है उन फूड्स के बारे में। बताया जाता है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 264 मिग्रा कैल्शियम होता है। अगर रोज मुट्ठी भर बादाम खाएं जाए तो इससे शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है और हड्डियां मजबूत रहती है।

बींस: बींस में भी भरपूर कैल्शियम, प्रोटीन जैसे न्यूट्रिएंटस होते है जो हड्डियों को उम्रभर के लिए मजबूत बनाए रखते है।

पालक: पालक में सभी जरूरी तत्व मौजूद होते है। 100 ग्राम पालक में लगभग 99 मिग्रा कैल्सियम होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाएं रखता है। इसलिए बेहतर होगा की अपने भोजन में पालक को शामिल करें।

भिंडी: भिंडी खाने वैसे तो कम लोग ही पसंद करते है लेकिन अगर आपको पता चलेगा कि भिंडी आपकी हड्डियों को मजबूत रखती है तो आप जरूर इसका सेवन करेंगे क्योंकि 10 ग्राम भिंडी में लगभग 82 मिग्रा कैल्शियम होता है।

पनीर: पनीर मे भरपूर मात्र मे कैल्शियम के अलावा विटामिन भी होता है। जो हड्डियों की मजबूती के लिए काफी उपयोगी होता है।

पुरुषों के लिए भी जरूरी है पर्सनल केयर

फेशियल

मेट्रो-सैक्सुअल मैन फेशियल कराने के विचार से नहीं घबराते और इसे त्वचा केयर के अपने रूटीन में शामिल करते हैं। आप अपने नजदीकी मेन सैलोन में जा सकते हैं और अपनी त्वचा प्रकार के अनुसार फेशियल करा सकते हैं। आपकी त्वचा के अनुरूप किए जाने वाले फेशियल में अनेकों त्वचा प्रॉब्लम्स जैसे ब्लैकहेड्स, ब्लेमिशेज और पिगमेंटेड त्वचा से निजात पाई जा सकती है। चूंकि ज्यादातर पुरुषों की त्वचा ऑयली होती है इसलिये एक क्लींजिंग मास्क ऑयलीनेस की रोकथाम कर सकता है जबकि ड्राई त्वचा प्रकार की अच्छी केयर हाइड्रेटेड मास्क से हो सकती है। फेशियल त्वचा पर के किसी समस्याग्रस्त हिस्से का सुधार फेशियल से किया जा सकता है ।

महिलाओं की तरह पुरुषों को भी अपनी ग्रुमिंग की ओर ध्यान देना चाहिए। पुरुषों में ग्रुमिंग उनके व्यक्तिगत प्रभाव को बढ़ाती है। उनमें भी ग्रुमिंग की शुरुआत व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वस्थ बाल व नाखूनों की देखभाल, दांतों की सफाई, फेशियल, हेयर मेकअप, खुशबू और कपड़ों आदि से होती है। कुछ विशेष पर्सनल ग्रुमिंग की आदतें पुरुष अपने त्वचा केयर तरीके में शामिल कर सकते हैं जिनको हफ्ते बाद नहीं तो महीने में एक बार किया जाना चाहिए। तो चलिए पुरुष के लिए जरूरी ग्रुमिंग संबंधी आदतों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

समय से कराएं हेयर कट

बालों को समय-समय पर कट करवाते रहना चाहिए। इससे न सिर्फ आपको बेहतर लुक मिलता है बल्कि बालों की ग्रोथ भी ठीक रहती है। यदि लंबे बाल रखते हैं तो आपको हेयर स्टाइल सही रखने के लिए समय-समय पर हेयर स्टाइलिंग करना चाहिये।

मेनीक्योर और पेडीक्योर

अब मेनीक्योर और पेडीक्योर केवल स्त्रीसुलभ गतिविधियां ही नहीं रही हैं क्योंकि पुरूष अब ग्रुमिंग की अच्छी आदतों की जरूरत समझने लगे हैं या समझने की जरूरत है। अपने हाथों और पैरों के नाखूनों की सही देखभाल करना न केवल आपके निजी रंगरूप व दिखावट के प्रति आपकी सजगता दर्शाता है बल्कि पर्सनल हाइजीन का संकेत भी देता है। गंदे, असमान नाखून, सामान्य स्वच्छता के लिहाज से बहुत भद्‌दे और गंदे लगते हैं। ड्राई त्वचा वाले बदबूदार पैर, कॉलस और बदरंग नाखून कभी आकर्षक नहीं लग सकते। इसलिये मेनीक्योर और पेडीक्योर महिलाओं की तरह पुरुषों की ग्रुमिंग का भी जरूरी हिस्सा होते हैं क्योंकि ओवरऑल ये हाइजीन के अलावा खुशनुमा शारीरिक दिखावट के लिये जरूरी होते हैं।

बालों की देखभाल

बालों की देखभाल की जरूरत केवल महिलाओं को ही नहीं, पुरुषों को भी होती है। इसलिए बालों की ऑयलिंग, हबर्ल ऑयल मसाज, आयुर्वेदिक हेयर पैक और हेयर वॉश करवाएं आदि कराएं। बालों को साफ रखें और ज्यादा खींचे नहीं।

आज ही एक फेशियल जरूर आजमाएं!

अपनी त्वचा की सही देखभाल घर पर भी की जा सकती है। हालांकि प्रोफेशनल हेल्प आपकी त्वचा के लिये करिश्माई ढंग से बेहतर कार्य करती है। चाहे आप पुरुष हों या महिला इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योकि अच्छा दिखने की हसरत सभी की होती है। अपनी त्वचा की केयर करने का मतलब केवल सुंदरता के नजरिए से नहीं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के नजरिये से भी जुड़ा है।

कोलेस्ट्रॉल से हैं परेशान तो अपनाएं ये टिप्स

कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से शरीर में कई समस्याएं आ जाती हैं जैसें- दिल की समस्या और शरीर में मोटापा आदि। कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए लोग कई तरह की दवाइयों का सेवन करते हैं लेकिन इनके कई साइड इफेक्ट भी होते हैं। ऐसे में आप घरेलू चीजों से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकते हैं।

1. रोज सुबह इसकी 2-3 कलियां खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है।

2. ज्यादा घी या फिर तेल वाली चीजें का सेवन व करें। इससे कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है।

3.1 गिलास पानी में दालचीनी और धनिए के बीजों को उबालें। इसे ठंड़ा होने के बाद पी लें।

4. रोज सुबह थोड़ी फिजिकल एक्सरसाइज भी जरुर करें।

5. दिन में कम से कम 8-10 घंटे की नींद जरूर लें। पूरी नींद न लेने से भी कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है

6. 1 चम्मच ऐलोवेरा और 1 चम्मच आंवले को गिलास पानी में मिला कर पीने से काफी फायदा होता है।

7. सुबह खाली पेट 1 गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस मिला कर पिएं। इससे कोलेस्ट्रॉल धीरे-धीरे कम होने लगेगा।

8. अपने खाने में ज्यादा मीठे का सेवन न करें।

रेसिपी

शीर-खुरमा

सामग्री

दो कप सेवई, चार लीटर दूध, एक कप चीनी आधा कप फ्रेश मलाई, बीस छोटी इलायची, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चम्मच घी, आधा चम्म्च केसर, आधा चम्म्च गुलाब जल, एक कप बादाम, काजू और पिस्ता

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में थोडा से घी गर्म करें। गर्म हो जाने के बाद इसमें सेवई ब्राउन होने तक भूनें। फिर इसमें थोड़ी सी चीनी डालकर फ्राई करते हुए इसमें धीरें-धीरे दूध डाले और हल्के हाथ चलाते रहे। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो उसमें मेंवे और बची हुई चीनी डाल दे। सब कुछ मिल जाने के इसमें गुलाब जल और मलाई डाले और थोड़ी देर पकाए फिर गैस बंद कर दें। अब इसे एक सर्विंग बाउल में निकाल कर केसर और इलायची पाउडर डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

राज कचौड़ी

सामग्री

दो कप मैदा, आधा कप सूजी, तीन चुटकी बेकिंग सोडा, तेल - तलने के लिये, कचौरी भरने की सामग्री, छोटे पीस में कटे हुए उबले आलू, उबली हुई मटर, दही, उबली हुई मूंग दाल, भुना हुआ जीरा, काला नमक, सादा नमक, सेव भुजिया, मीठी चटनी, हरी चटनी, अनार के दाने, लाल मिर्च पाउडर

विधि

एक बड़े बाउल में मैदा, सूजी और बेकिंग सोडा लेकर सबको मिलाकर गूंथ लें। इसके बाद हाथों में थोड़ा सा तेल लगा कर धीरें से नरम कर साफ गीले कपड़े से ढंक कर रख दें।अब एक कढ़ाई में तेल गरम होने के लिए रख दें। दूसरी तरफ गूंथे आटा की छोटी-छोटी गोली काटकर इसे तीन इंच के व्यास में बेल लें। इसके बाद इसे गरम तेल में तलें जब यह अच्छी तरह से फूल जाए तो इसे प्लेट पर निकाल लें।अब आप इसमें सामग्री भर सकती है ।इसके लिए पूड़ी को लेकर बीच से आराम से तोडिये और उसमें सबसे पहले आलू, मटर, उबली मूंग, थोड़ा सा जीरा, काला नमक, सादा नमक, लाल मिर्च पावडर, दही, मीठी चटनी, हरी चटनी, सेव भुजिया, अनार दाने, जीरा पावडर, दही और चटनी डालिए और सभी को सर्व कीजिये।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**